|| जय महेश ||

ढाट माहेश्वरी संदेश

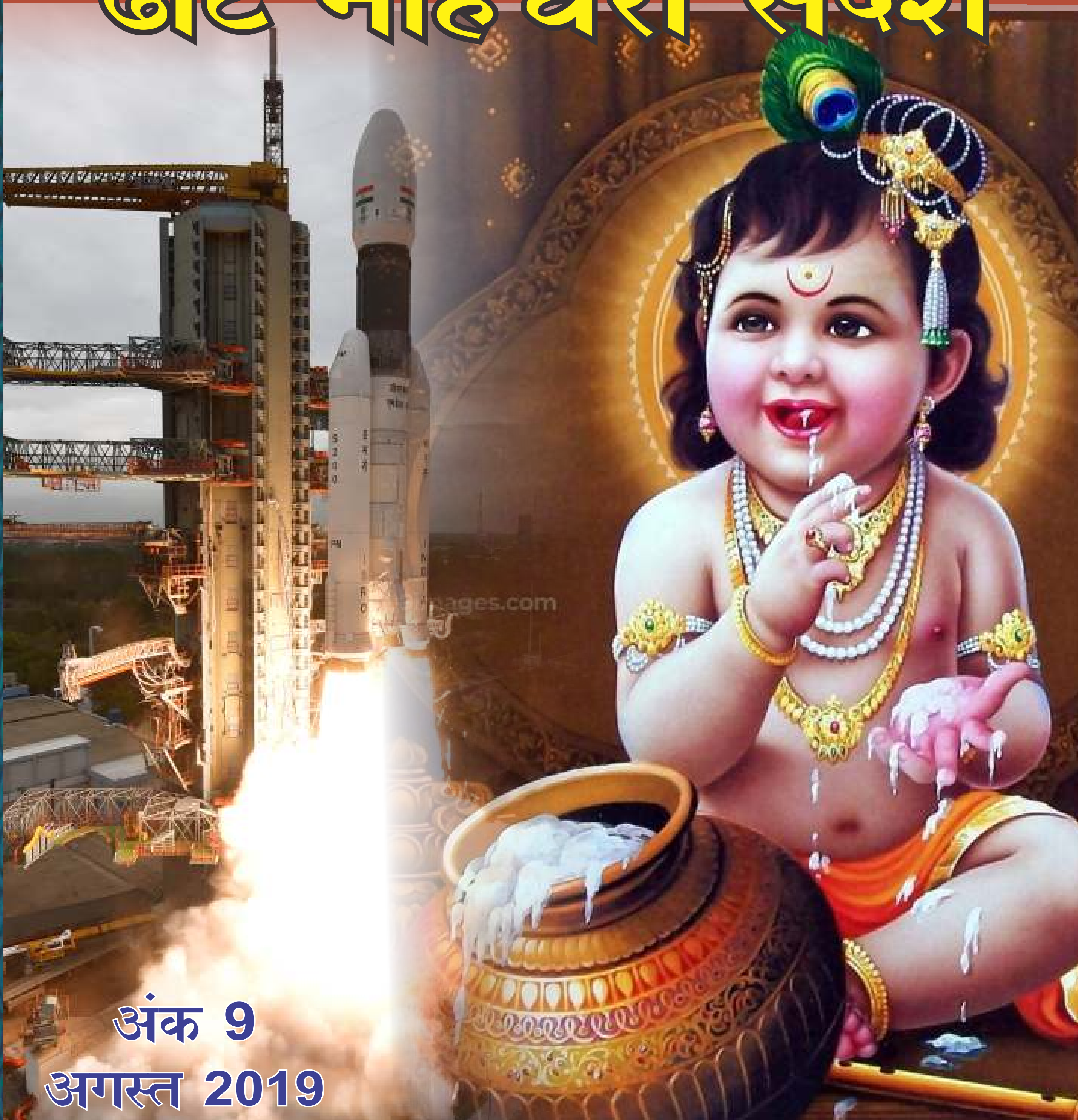

अंक 9

अगस्त 2019

त्रि-मासिक पत्रिका

ALL INDIA FEDERATION OF DHAT MAHESHWARI SAMAJ

AIFDMS

Reg. No.: F1306/ABD

प्रकाशक

ओल इन्डीया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज

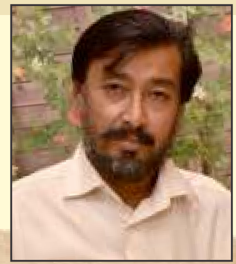

अभयभाई चंदिरा (तंत्री)

तंत्री की कलम से...

प्रिय बंधुओं

आज मुझे समाज की त्रिमासीक पत्रिका को प्रकाशित करने का फिर से सौभाग्य प्राप्त हुआ है यह मेरे और मेरी टीम पत्रिका के लिये गौरव की बात है। पिछले प्रकाशित हुए हमारे अंको से इस नवमें अंक को ओर बेहतर बनाने का प्रयास किया है। AIFDMS के नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट श्री ताराचंदजी केला और उनकी पूरी कमीटी ने मुझमें और पत्रिका टीम में विश्वास दिखाया उसके लिए हम उनका धन्यवाद करते है।

मैने पिछले अंक में लिखा था कि डिजीटल मीडिया के ईस समये में प्रिन्ट मीडिया का एक अलग ही वर्चस्व है। पत्रिका समाज का एक आइना होती है इस पत्रिका में हमने समाज और फेडरेशन द्वारा अन्य किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा समाज के हितमें किए गए कार्यो का वर्णन जैसे की समाज के लोगों का अचीवमेन्ट, लेखनी, बधाइयां, शुभेच्छाओं आदि का उल्लेख किया है।

सब के मन में यह ख्याल आता है कि यह पत्रिका कैसे बनती है आज आप को इस लेख के माध्यम से इसकी प्रकिया बताता हु। पूरे भारतवर्ष में अलग-अलग गाँव या शहरो में बसने वाले बंधुओ की बस्ती (घरों) के हिसाब से AIFDMS के मेम्बर्स नियुक्त है वे अपने अपने एरिया से भिन्न भिन्न प्रकार की जानकारीयों को एकत्रित करते है और जहाँ AIFDMS के मेम्बर नहीं है वहाँ टीम पत्रिका के मेम्बर अपने माध्यम से जानकारीयां मंगवाते है। अब हमारे यहां आई हुई सभी जानकारीयों का पृथ्थकरण होता है ओर यहां कुछ विभाग भी बनाए गए है। जैसे त्यौहार, शिक्षा , खेलकुद, राजकिय, धार्मिक, मेडिकल, सामाजिक विषय, सामाजिक रीती रिवाज वगेरे। आई हुइ जानकारीयों की पुष्टी होती है। प्रिंट में रखी जाने वाली सभी जानकारीओ में सामाजीक दायरे का विशेष ख्याल रखा जाता है ताकि अंधश्रद्धा को बढावा ना मिले और किसी की धार्मिक आस्था को ठेस ना लगे। एज्युकेशन अचीवमेंट का विशेष ख्याल रखा जाता है क्यों कि इससे समाज को प्रेरणा मिलती है। टीम प्रत्रिका समाज के उन लोगों से आर्टिकल मंगाने का आग्रह करती है जो अपने विषयों में एक्सपर्ट होते है ओर उनके ज्ञान का लाभ समाज को मिले ये भावना रहती है। पत्रिका का पूरा श्रेय AIFDMS को जाता है। टीम पत्रिका इस कार्य को पूर्ण भाव से करती है और अपने अंदर रहे साहित्य के जीव को पत्रिका के माध्याम से पन्नो पर जीवंत करने का प्रयास करती है वं समाज के बंधुओ को एक दुसरे से जोडने का प्रयास करती है।

यह पत्रिका बनाने में पूरी टीम जूटी हुई थी लेकिन मैं विशेषतः नवीन कडवा, हरीश भूतडा, विकास चांडक एवं मीनुजी महेश्वरी का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होने एक above level समय दिया। मैं ताराचंदजी केला एवं दिलीपभाई मोहता का भी धन्यवाद करता हूँ, की उन्होने हमें हर जगह सपोर्ट किया, जिस से पत्रिका का कार्य सरल हो, कोई प्रिन्ट मिस्टेक ना हो या कोई माहिती गलत न हो, उस बात का उन्होने विशेष ध्यान रखा।

कृपया आप माहिती ईमेल द्वारा भेजें, हिन्दी में टाईप कराके भेजें, फोटो की क्वॉलिटी का खास ध्यान रखे। आपके सलाह सूचन आवकार्य हैं। जिस से अगला अंक इस से बेहतर बना सके।

धन्यवाद।

अभय चंदिरा (तंत्री)

मीनु जी. महेश्वरी | विकास अे. चांडक | हरीश अे. भूतडा | सुरेश के. राठी | नवीन पी. कडवा | सुरेशजी एम. राठी (टीकमाणी)

समाज के नाम संदेश

प्रिय महेश्वरी बंधुओ और बहेनो

मैं आपको यह संदेश देने में अति प्रसन्नता महेसुस करता हुं कि AIFDMS ने १३ वें साल में प्रवेश किया है । इन १३ सालों में AIFDMS समाज सेवा को बिना बाधाओ से करता आया है, ओर पुरे समाज का सहयोग मिलता रहा है ओर आगे भी मिलता रहेगा । मैं आभारी हुँ उन व्यक्तिओं का तथा उन भामाशाहों का जिन्होनें इस संस्था को हर मुश्केल समय में साथ, सहकार तथा आर्थिक सहयोग दिया ओर इस संस्था को कहीं रुकने नहीं दिया । आज AIFDMS के मार्गदर्शन में कई अलग अलग कमीटीयां एवम् ट्रस्ट बनाके सेवाकार्य हो रहा है। जिसका विवरण इस मुजब है ।

१) सोश्यल सिक्योरीटी सर्विस

२) एज्युकेशन के बारेमें "उडान" कार्यक्रम - २०१९

३) गौ-सेवा के लिये "महेश गौ सेवा ट्रस्ट" की रचना

४) माहेश्वरी समाज का भवन, आंबावाडी, अहमदाबाद जहाँ बहारगाँव से आये हुए दर्दी एवम् उनके रिश्तेदारों को रहने की व्यवस्था, AC कमरे भी उपलब्ध ।

५) जरुरतमंद मरींजो को इलाज के लिए आर्थिक मेडीकल सहाय ।

६) स्पोर्टस के लिये स्पोर्टस कमिटी का गठन

७) १८ सेन्टरो में कराटे क्लासीस का आयोजन

८) महिला सशक्तिकरण के लिए "मातृशक्ति महीला मंडल" का गठन

९) समाज में हो रही गतीविधीयो की जानकारी के लिए तथा फेडरेशन को समाज से रुबरु होने के लिए त्रिमासीक पत्रिका "ढाट माहेश्वरी" संदेश

मैं समाज के बंधुओ से अनुरोध करता हुं कि इन सभी सेवाकीय कार्यो को चालु रखने के लिए आप सब AIFDMS को तन, मन, धन से सहयोग करे ताकी सभी सेवाकीय प्रवृत्तियाँ पूर्ण गती से चालु रहे । आप आपके शुभप्रसंग जैसे शादी - ब्याह, सगाई, बर्थडे पार्टी खुब धूमधाम से मनाए लेकिन आपके खर्च का कुछ हिस्सा समाज को भी डोनेशन करे जिससे समाजकी प्रवृतियाँ चालु रहे । आपका आगे का समय खुशमय रहे एसी शुभकामनाये व्यक्त करतां हुं । आप सबने मुझे AIFDMS का प्रेसीडेन्ट नियुक्त किया और मुझ में विश्वास रखा उस के लिए में आप सबका आभारी हुं । सोशियल सिक्योरीटी स्कीम के तहत फेडरेशन की ओर से २७०० मेम्बर्स को २ लाख की एक्सीडेन्ट पोलीसी दी जाएगी । में पीछले सभी पदाधिकारींयों का एवम समाज कार्य में प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से जुडे छोटे बडे सभी कार्यकर्ता का अभिवादन करता हुं की पिछले १२ सालों से जिन्होनें संस्थाको इस मुकाम पर पहुँचाया ।

- ताराचंद केला (AIFDMS प्रेसीडेन्ट)

में, जयप्रकाश माहेश्वरी, AIFDMS सेक्रेटरी, समाज बंधुओ को बताता हुँ कि कोई भी पद किसी संस्था की व्यवस्था का एक हिस्सा होता है, यह मेरा स्पष्ट मानना है । समाज के सभी व्यक्तियों को माहेश्वरी समाज के सिद्धांत "सेवा", "त्याग", "सदाचार" की भावना से काम करना चाहिए । फेडरेशन का मतलब किसी मित्रो का छोटा समूह, समाज या व्यकितयों का संगठित समूह होना । जिसकी वजह से समाज का हर बंधु कही न कही जुडा हुआ होता है । आप सबको शुभ और सेवा के आशय से सभी कार्य में तन, मन और धन से जुडने के लिए मेरी बिनती है । मेरी अपेक्षा है की इस उमदा कार्य का लाभ समाज के दूर छोर तक पहुंचे और कोई भी व्यक्ति इससे वंचित ना हो और हमारे समाज का मस्तक बाकी सब समाज की तुलना में गर्व से ऊंचा हो ।

महेशनवमी के पर्व पर तीन कार्यो के आह्वान किये गये :

(१) अन्न का बिगाड ना हो (२) मृत्यु के बाद चक्षुदान हो (३) समाज के किसी भी व्यक्ति का मृत्यु हो तब उसके घर बेठने जाने का समय निश्चित होना चाहिए । ये तीनो कार्य अपनी नैतिक जिम्मेदारी से होने चाहिए जो एक बडा सेवाकीय कार्य है ।

जयप्रकाश माहेश्वरी
मंत्री (AIFDMS)

AIFDMS Management Committee (2019-2021)

Tarachand G. Kella
(Surendranagar)
President
9825223940

Dilipbhai D. Mohta
(Ahmedabad)
Vice President
9825178808

Arjunlal G. Rathi
(Deesa)
Vice President
9427257244

Jaiprakash B. Kachoriya
(Palanpur)
Secretary
9879266999

Bherulal M. Lalwani
(Kapadwanj)
Treasurer
9879000151

Dineshkumar B. Maheshwari
(Kadi)
Joint Secretary
9879333432

Dipak C. Mathrani
(Baroda)
Joint Secretary
9824041835

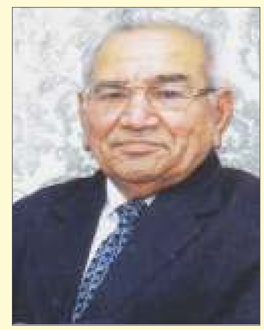

Lekhrajji M. Ladhad
(Jaipur)
All Rajasthan Convener
9785032723

Hotchand M. Kella
(Modasa)
9426535481

Tuljaram P. Dewani
(Western A'bad)
9924318049

Rajeshkumar N. Kella
(Dhanera)
9426312515

Murlidharji B. Jagani
(Gandhidham)
9825266669

Upendrabhai G. Kella
(Patan)
9824411707

Bharatkumar A. Rathi
(Bajwa)
9904704435

Madanlal C. Lohiya
(Nadiad)
9427312374

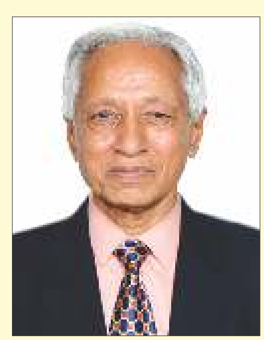

Murlidharji K. Akhani
(Isanpur)
9824393359

AIFDMS शपथ विधी 2019

AIFDMS “उडान” (Educational Programme) 2019

आल इंडिया फेडरेशन ओफ ढाट माहेश्वरी समाज के सौजन्य से करियर काउंसिलिंग सेमीनार का आयोजन दिनांक १९-०५-२०१९, रविवार को अहमदाबाद के स्वस्तिक होल में किया गया। इस प्रोग्राम में कक्षा ९ से १२ तक पढाई कर रहे सभी विद्यार्थी अपने माता पिता के साथ आमंत्रित थे। करीबन ३५०-४०० लोगोने उपस्थित होकर करियर सेमिनार का लाभ लिया। AIFDMS की ओर से सभी माननीय सदस्य एवं पदाधिकारी प्रोग्राम में सम्मलित थे। प्रोगाम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गयी और नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री ताराचंदजी केला ने सेमिनार में आये सभी लोगो का अभिवादन किया एवं शुभेच्छायें दी।

सेमिनार की शुरुआत डॉ. वाय. पी. कोष्टा से शुरू की गयी जो मारवाडी युनिवर्सीटी राजकोट में वाईस चांसलर है। आप ने बहुत अच्छी तरह से आये हुए सभी विद्यार्थीयों को समझाया कि आने वाले १०-१५ सालों में कोन सी ब्रांच टोप पर हो सकती है। और कोई भी ब्रांच पसंद करने से पहले किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उसके बाद डॉ. आर.जी. धमसाणिया जो दर्शन कोलेज, राजकोट में प्रोफेसर है, इंजीनियरींग के बारेमें विस्तृत जानकारी दी। आपने बताया कि गुजरात में कितनी सीटें कौनसी कोलेज में कौनसी ब्रांच में उपलब्ध है और पिछले साल कहाँ तक कट-ओफ रुका है वह सारी जानकारी बहुत बढिया तरीके से सब को समझाया। मेडिकल और पेरा-मेडिकल के बारे में बहुत सुन्दर जानकारी श्री विकास पटेल द्वारा दी गयी। आप श्री सहजानंद कन्सल्टींग मेहसाणा में ट्रेनिंग इंस्टिट्युट में डायरेक्टर पद पर है उन्होनें बताया की मेडीकल में दाखिला लेने के लिए कोनसी बातों का ख्याल रखा जाये। सेमिनार को आगे बढाते हुए हमने एग्रीकल्चर की जानकारी देने के लिए दांतीवाडा युनिवर्सिटी से प्रोफेसर संजय पंड्याजी को आमंत्रित किया। उन्होने बहुत ही रोचक जानकारी देते हुए बताया की कृषी के क्षेत्र में करियर की कितनी संभावनाये मौजूद है और कैसे कृषि को एक करियर विकल्प पसंद किया जाये। उसके बाद हमने श्री उत्कर्ष स्वादिया जी को आमंत्रिक किया जो एक बहुत अच्छे चार्टड अकाउन्टन्ट हैं और नवकार इंस्टिट्यूट में प्रोफेसर है। उत्कर्ष जी ने बताया की कोमर्स लाईन में केसे करियर बनाया जाये और भविष्य में इसकी कितनी डिमांड रहेगी। प्रथम चरण के आखरी वक्ता श्री कमल अगल ने हमें व्यावसायिक ओर गैर पारंपरिक पाठ्यक्रमो की जानकारी दी। उन्होने भिन्न भिन्न ७० से ज्यादा व्यवसायों के बारे में बताया कि केसे अपने हुन्नर को व्यवसाय में परिवर्तित करके आमदनी की जाये। आज के दौर में आर्किटेक्चर डिजाईन एवम फैशन डिजाइनींग का काफी चलन है जिसकी विस्तृत जानकारी देने के लिए हमने श्री एस.बी.रेगे को भी सिलिका इंस्टिट्युट से बुलाया था।

सेमिनार के दूसरे चरण में, जो भोजन के बाद शुरु हुआ, उसमें विदेश में अभ्यास करने के लिए केसे तैयारी की जाये उसका बहुत अच्छा विडीओ शिवानी गिरीश राठी द्वारा बताया गया। उसी के साथ विदेशमें पढाई करने के लिए कोनसी परीक्षा दी जाती है और कैसे अच्छे नंबर्स से कोनसी युनिवर्सिटी या कोलेज की पसंदगी की जाये वह सबकी विस्तृत जानकारी श्रीमती विमला राजेश रामचंदानी द्वारा दी गयी। मस्तिष्क के विकास की विभिन्न तकनिकी जानकारी श्री परवेज लढा द्वारा दी गयी।

प्रोग्राम का दूसरा चरण काफी रोचक और स्फूर्तिभरा रहा, जिसमें रियल लाईफ के विभिन्न क्षेत्र के अग्रीम महानुभाव पेनल डिस्कशन में शामील हुए। सरकारी नोकरी का पहलू समझाने के लिए श्री आइ पी माहेश्वरी और सेशन कोर्ट के जज श्रीमती वंदनाजी चांडक उपस्थित थे। कानूनी सलाह और उसके विचार रखने के लिए श्री अनिलजी केला और वर्तमान वित्तीय सलाह के लिए चार्टड अकाउन्टन्ट श्री नरेशजी केला उपस्थिति थे। श्री किर्तीभाई माहेश्वरी ने फार्मा सेक्टर के बहुत अच्छे पहलू और अपने विचार विमर्श प्रस्तुत किये। इन्फोर्मेशन टेकनोलोजी के लिए श्री अंकित चांडक ने बहुत अच्छा वर्णन किया। अंत में AIFDMS के मंत्री श्री जयप्रकाशजी कचोरिया ने इस करियर काउन्सिलिंग सेमिनार और उसके बहुत सुंदर आयोजन के लिए आयोजको की प्रशंसा कीऔर आये हुए सभी मेहमानो का अभिवादन किया और शुभेच्छाये दी।

AIFDMS Working Committee Members

NUMBER COMMA CHANGE

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME	MOBILE NUMBER	Designation
1	A- ISANPUR	JERAMDAS JIVRAJMAL BACHANI	9,428,016,724	
2	A- ISANPUR	MURLIDHAR KUSHLOMAL AKHANI	9,824,393,359	
3	A- MANINAGAR	DILIPKUMAR DOONGROMAL MOHTA	9,825,178,808	Vice President
4	A- MANINAGAR	HARISHKUMAR PITAMBERDAS RATHI	9,426,418,887	
5	A- MANINAGAR	SURESHKUMAR MEGHRAJ RATHI	9,825,896,445	
6	A- NARODA	JIGNESH MADANLAL BHUTDA	9,879,895,511	
7	A- SABARMATI	RAJNI CHATURBHUJ KANWANI	9,825,303,197	
8	A- SANAND	RAJESH PITAMBERDAS MAHESHWARI	9,722,437,455	
9	A- SHAHIBAUG	HARISHKUMAR SHISHPALDAS DHADVAI	9,978,931,122	
10	A-WESTERN	DHARMESH PITAMBERDAS MAHESHWARI	9,825,797,155	
11	A-WESTERN	PRAKASHKUMAR CHATURBHUJ RATHI	9,427,007,817	
12	A-WESTERN	TULJARAM PRABHULAL DEWANI	9,924,318,049	
13	ANAND	NITESH SHISHPALDAS MAHESHWARI	9,824,051,865	
14	BORSAD	DILIPKUMAR YUDHISHTHIRBHAI CHANDIRA	9,925,189,702	
15	BORSAD	JUGALBHAI LEKHRAJBHAI RATHI	9,426,340,804	
16	KHAMBHAT	PITAMBERDAS MURARDAS MAHESHWARI	7,567,165,025	
17	TARAPUR	BHAVANISHANKAR KHAJUMAL HARANI	8,469,897,100	
18	MODASA	DR. DEVDUTT DAMOMAL RATHI	9,374,898,240	
19	MODASA	HOTCHAND MOTIRAM KELLA	9,426,535,481	
20	BHILDI	JHAMANDAS CHELARAM MULANI	9,427,377,965	
21	CHHAPI	ALPESH DASHRATHLAL MAHESHWARI	9,427,512,408	
22	DEESA	ARJUNLAL GHANSHYAMDAS RATHI	9,427,257,244	Vice President
23	DHANERA	MANEESHKUMAR TARAHCAND MAHESHWARI	9,408,787,875	
24	DHANERA	RAJESHKUMAR NAKHATMAL KELLA	9099423777	
25	PALANPUR	BHUPENDRA K. RATHI	9,426,578,822	
26	PALANPUR	JAYPRAKASH B. MAHESHWARI	9,879,266,999	Secretary
27	PALANPUR	KAPIL K. SHARDA	9,427,579,073	
28	PALANPUR	MANILAL V. LALWANI	9,426,321,727	
29	THARA	PRAVINKUMAR GORDHANDAS KAKANI	9,428,505,665	
30	THARAD	JUGALKISHORE NANDLAL MAHESHWARI	9,998,455,816	
31	BODELI	GIRISHKUMAR GAUTAMDAS HARKUT	9,879,446,265	
32	MANSA	DILIP RAVISHANKAR JIVANI	9,033,511,412	
33	KAPADWANJ	BHERULAL MANEKLAL LALWANI	9,879,000,151	Tresurer
34	NADIAD	MADANLAL CHATROMAL LOHIYA	9,427,312,374	
35	GANDHIDHAM	DR. HASMUKH V. KELLA	9,904,032,137	
36	GANDHIDHAM	MURLIDHAR BHOMRAJ JAGANI	9,825,266,669	
37	KADI	DINESHKUMAR BEKHATMAL MAHESHWARI	9,879,322,432	Joint Secretary
38	KADI	GAUTAMDAS GIRDHARILAL KELLA	9,426,489,150	
39	VIJAPUR	SAVAI KESHAVLAL MAHESHWARI	9,574,746,047	
40	MORBI	MEHULKUMAR GAUTAMBHAI KACHORIA	9,824,298,000	
41	PATAN	UPENDRA GAUTAMBHAI KELLA	9,824,411,707	
42	TALOD	SURESHKUMAR MOOLCHAND SHARDA	9,898,321,226	
43	SURAT	ASHOKKUMAR JAGUMAL SHAH	9,879,510,045	
44	SURAT	TANSUKH GHANSHYAMDAS PANPALIA	9,825,942,384	
45	SNR	TARACHAND GOVINDRAM KELLA	9,825,223,940	PRESIDENT
46	BAJWA	BHARATKUMAR AMOLAKHDAS RATHI	9,904,704,435	
47	BAJWA	RAMESH RANUMAL SHAH	7,069,983,300	
48	VADODARA	DEEPAK CHAMANLAL MATHRANI	9,824,041,835	Joint Secretary
49	VADODARA	VIJAYKUMAR P. SANJHIRA	9,909,117,733	
50	ANAND	NARAYAN SAHADEV RATHI	9106737506	
51	JAIPUR	LEKHRAJJI MAHESHWARI	9785032723	Rajasthan Convenar

AIFDMS Advisory Committee (2019-2021)

Anand	Vasudevji Ganeshdas Bhutda	99244 55944
Anand	Madanlalji Sanjhira	9428437500
W.Ahmedabad	Karanmalji Dungromalji Bhutda	99250 37135
Maninagar	Vijaybhai C Kella	98250 09574
Mumbai	Maheshbhai Chandak	98201 90121
Surendranagar	Kirankumar Mahadevbhai Rathi	94262 13103
W.Ahmedabad	I P Maheshwari	9408794006
Kadi	Madanlal Moolchand Rathi	98246 19458
Vadodara	Jugalbhai Kella	94289 71435
Modasa	Kishandas Mukhi	94281 02323
Gandhidham	Harishbhai Laddhad	98252 26249
Gandhinagar	Ashokkumar Gopaldas Chandak	94277 91288
Maninagar	Bhavanibhai Matharani	98250 08297
Deesa	Maheshkumar Parmanand Malhar	98252 50145
Mansa	Harishkumar Rathi	98254 56277
Delhi	Vinodkumar Panpalia	98919 95810
Chennai	Baldevbhai Meghraj Sharda	90251 22440

AIFDMS Expert Cell Co-ordinators

Maninagar	Dilipkumar Dungromal Mohta	Social Security Scheme	98251 78808
W.Ahmedabad	Tuljaram Prabhulal Devani	Bhavan (Ambawadi)	99243 18049
Ahmedabad	Girishbhai Rathi	Education	94291 21464
Palanpur	Alpesh Maheshwari	Karate	99092 92099
W.Ahmedabad	Abhaybhai Ishwardas Chandira	Patrika	93280 76733
Maninagar	Anilbhai C Kella	Legal	98250 16776
Palanpur	Yashwantbhai Bachani	Social Organizaton	98240 79973
Maninagar	Chamanlal Chandak	Computer & IT	93270 24373
W.Ahmedabad	Dr. Rajeshbhai Lakhani	Medical	98240 36104

All Rajasthan Convenor

Gadra Road	Tuljaramji Bhutda	9461080055
Barmer	Rameshkumar Sharda	8005805108
Barmer	Shrawankumar Dungromalji	9414149116
Jaisalmer	Arjunlalji Chandak	98295 49116
Jodhpur	Arjunlalji Rathi	98290 27848
Jaipur	Baldevbhai Chatrabhujji Rathi	9001905718
Sanchor	Subhashchandra Bhanwarlalji (Jagru) Bhatthar	9460978150
Chohtan	Kamlesh Chandira	94145 29638
Jalore	Kailash Khatumalji Kela	9414566345
Barmer	Pitambardas Kripaldasji Dharani	7568128534
Barmer	J P Sharda	7014758815

समाज के त्यौहार

गणगौर उत्सव

वेस्टर्न अहमदाबाद

कड़ी

वडगाम

पाटण

सांचोर

छापी

भिनमाल

बोरसद

समाज के त्यौहार

गणगौर उत्सव

समाज के त्यौहार

महेशनवमी

बाडमेर

बाडमेर

बरोडा

बरोडा

बोरसद

बोरसद

समाज के त्यौहार

महेशनवमी

समाज के त्यौहार

महेशनवमी

सुरेन्द्रनगर

सुरेन्द्रनगर

कडी

कपडवंज

कपडवंज

गांधीधाम

गांधीधाम

“माँ सरस्वती” (एक अद्भूत मंदिर एवम् सुंदर यात्रास्थल”)

“माँ सरस्वती ”

वसंत पंचमी पर सरस्वती माता की पूजा का विशेष विधान है । माँ सरस्वती को विद्या की देवी माना जाता है । इसके साथ ही देवी सरस्वती को संगीत की देवी का विशेष दर्जा भी प्राप्त है। आज भी यदि कोइ व्यक्ति अच्छा गाता है तो उसे कहा जाता है कि उस के कंठ मैं सरस्वती माता बिराजमान है । वसंतपंचमी को सरस्वती माता का दिन माना जाता है इस लिए आज हम आपको उनके एक खास मंदिर के बारे मैं बताएंगे ।

आंध्र प्रदेश में है माँ सरस्वती का यह अदभुत मंदिर

माँ सरस्वतीजी के भारत में दो ही सबसे प्राचीन देवस्थल माने जाते है **दंडकारण्य** और **लेह**। आज हम बात करेंगे ऋषि वेद व्यास द्वारा बनाये गये माँ सरस्वती मंदिर के बारे में । जो आंध्र प्रदेश के आदिलाबाद जिले के मुघोल क्षेत्र के बासर गाँव में है ।

माँ सरस्वती माता के इस मंदिर के बारे में तरह तरह की किवदंतिया प्रचलित है। यह मंदिर बासर गांव में गोदावरी नदी के तट पर स्थित है। इस मंदिर में केंद्रिय रूप से सरस्वती माता की भव्य प्रतिमा स्थापित है, उनके साथ लक्ष्मी माता भी यहां बिराजमान है। सरस्वती देवी की मूर्ति लगभग ४ फूट की उंची है। यहां वह पद्मासन मुद्रा में बिराजमान है ।

इस मंदिर में होते हैं माँ सरस्वती देवी के साक्षात दर्शन, सुन सकते है वीणा के सतरंगी तार

इस मंदिर की सबसे खास बात है कि मंदिर के एक स्तंभ से संगीत के सातो स्वर सुनाई देते है, इसी विशेषता के चलते भक्त यहां खींचे चले आते है । कोई भी ध्यानपूर्वक कान लगाकर इस ध्वनि को सुन सकता है। प्राचीन कथाओं की माने तो मां सरस्वती के मंदिर से थोडी दूर दत्त मंदिर स्थित है , जहां से होते हुए गोदावरी नदी तक एक सुरंग जाया करती थी। कहा जाता है कि इसी सुरंग के द्वारा ही राजा महाराजा पूजा के लिए आते थे। वाल्मिकी ऋषि को भी यहीं पर सरस्वती माता से आर्शीवाद मिला था। जिसके बाद उन्होने रामायण लिखना शरू किया।

अक्षराभिषेक की रीति का रीवाज

यहां एक धार्मिक रीति भी विख्यात है, जिसे अक्षर आराधना कहते है। अक्षर आराधना में बच्चो को शिक्षा प्रारंभ करने से पहले अक्षराभिषेक के लिए यहां पर लाया जाता है। मान्यता है कि बच्चे के जीवन के पहले अक्षर यहां लिखवाने से बच्चे का शैक्षिक जीवन सदैव सफल रहता है। इस रीति के बाद हल्दी का लेप प्रसाद के रुप में बाँटा जाता है। सरस्वती माता ब्रह्मदेव की मानस पुत्री भी है, साथ ही विद्या की अधिष्ठात्री देवी भी मानी जाती है।

वेदव्यास को हुई थी ज्ञान की प्राप्ति

यह मंदिर काफी प्राचीन माना जाता है, मान्यता है कि महाभारत के लेखक वेद व्यास जब मानसिक रूप से परेशान थे तब वह शांति के लिए तीर्थयात्रा पर गए थे। अपने मुनीयों के साथ वह उत्तर भारत की तीर्थयात्रा करके बासर पहुंचे। उन्होने गोदावरी नदी के तट को देखा । नदी के तट की प्राकृतिक सौंदर्यता से मंत्र-मुग्ध हो कर वहीं रुक गए। कहा जाता है कि उन्हे इसी जगह पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और वेदो के रचयिता बने। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है की अज्ञान के अंधकार में डूबे कालिदास को भी यहीं ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। वरदराज को भी यहीं आकर ज्ञान मिला था। इसलिये कहते हैं कि यहाँ आकर अज्ञानी भी ज्ञानी हो जाते है।

माँ सरस्वतीजी का ऐसा मंदिर लेह लद्दाख में है । इसके अतिरिक्त मैहर की माँ शारदा का मंदिर भी जग प्रसिद्ध है।

लेकिन माँ शारदा का निवास दंडकारण्य और लेह मै माना जाता है।

हरिश भुतडा
अहमदाबाद

गौ-सेवा ट्रस्ट का विवरण

श्री ताराचंद जी मनसुखाणी की अध्यक्षता में महेश गौ सेवा ट्रस्ट की मीटिंग 17-3-19 को अहमदाबाद में इसनपुर माहेश्वरी समाज वाडी में संपन्न हुई। मीटिंग में समाज के 75 गणमान्य बंधु उपस्थित रहे जीस में आगामी कार्यकारिणी की नियुक्ति र्निविवादीत एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में की गई । कार्यकारिणी समिति के सदस्य के नाम इस प्रकार हैं ।

अध्यक्ष- श्री लेखराज मथुरादास लधड़, जयपुर

वरिष्ठ उपाध्यक्ष- श्री महेशकुमार डुंगरोमल चांडक, मुंबई

उपाध्यक्ष- हरीशकुमार जेठानंद लधड़, गांधीधाम

उपाध्यक्ष- इंद्रवदन पूनमचंद चांडक, अहमदाबाद

सचिव- दिलीपकुमार डुंगरोमल मोहता, अहमदाबाद

कोषाध्यक्ष- लजपतराय मुरलीधर राठी, अहमदाबाद

सहमंत्री- गौतमभाई बलदेवभाई केला, पालनपुर

सहमंत्री- सुरेशकुमार जेसाराम रामवाणी, अहमदाबाद

सहमंत्री- अशोककुमार भूपतलाल भूतडा, सुरेन्द्रनगर

अन्य सदस्य के नाम ईस प्रकार हैं । महेश कुमार शिशपालदास वस्ताणी- अहमदाबाद, गिरीशकुमार बिहारीलाल कचोरीया-पालनपुर , झामनदास मुलाणी- भीलडी, सुनीलकुमार रायचंद- मोडासा।

मीटिंग में सभी सदस्यों ने तय किया है की , महेश गौ सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों को हर साल 1,21,000/- ट्रस्ट में जमा कराने होंगे । जिसमें से 21,000/- उनके अपने नाम से एवं बाकी 1,00,000/- उन्हें समाज के बंधुओ से इकठ्ठा करके ट्रस्ट में जमा कराने होंगे ।श्री करणमल डुंगरोमल भूतडा ने गौशाला बनाने के लिए 11,00,000 /- का अनुदान देना घोषित किया, एवं अन्य सदस्यों ने 5-5 लाख रुपये का अनुदान देना घोषित किया, ईस प्रकार ईस महत्वपूर्ण कार्य के लिए 50 लाख रुपये की राशि की घोषणा हुई । गौ सेवा ट्रस्ट ईन सभी को धन्यवाद करता है ।

पिछली कार्यकारिणी ने 46 केंद्रों में गौदान पात्र पहुंचाये थे, जिस में से 23 केंद्रों के गौ दान पात्रों से 11,78,745/- एवं अन्य सहायता मिलाके 31/3/2019 तक कुल 49,37,149/- राशि इकठ्ठा हुई थी । जिसमें से गौशाला को 38,21,966/- की सहायता दी गई । ईस प्रकार 1/4/2019 को 11,15,183/- रुपये का बैंक बेलेंस था। पिछली कार्यसमिति ने 5100 रुपये की सहायता देने वाले 438 सदस्य बनाये थे। अध्यक्ष एवं सचिव श्री ने आश्वासन दिया कि इस वर्ष 51,000 की सहायता देने वाले 50 सदस्य एवं 5,100 की सहायता देने वाले 1000 सदस्य बनाने का लक्ष्य है । ईस मीटिंग में महेश गौ सेवा ट्रस्ट की एक सलाहकार समिति (51,000 की सहायता देने वाले) का गठन किया गया जीनके नाम ईस प्रकार हैं ।

Advisory committee

1. श्री करणमल डूंगरोमल भुतड़ा (कड़ी)
2. श्री मदनलाल गिरिधारीलाल साँझीरा (आनंद)
3. श्री ताराचंद गोविन्दराम केला (सुरेन्द्रनगर)
4. श्री किरणकुमार महादेवभाई राठी (सुरेन्द्रनगर)
5. श्री आइ पीं महेश्वरी (अहमदाबाद)
6. श्री ताराचंद मूलचंद मनसुखाणी (सायला)
7. श्री अर्जनलाल राणोमल (जोधपुर)
8. श्री अर्जुनलाल जसरूपदास चांडक (जेसलमेर)
9. श्री भगवानदास रतनलाल चांडक (तलोद)
10. श्री सुखरामदास पुरूषोतमदस भुतड़ा (तलोद)
11. श्री बलदेव चत्रभुज राठी (जयपुर)
12. श्री भेरूलाल माणेकलाल लालवाणी (कपडवँज)
13. श्री फरसराम लक्ष्मणदास कचोरियाँ (इसनपुर)
14. श्री राजकुमार आसनदास चांडक (अहमदाबाद)
15. श्री वासुदेव रूपचंद भुतड़ा (सूरत)
16. श्री तुलजाराम बालचंद भुतड़ा (ग़ड़रारोड)
17. श्री भगवानदास लालचंद चांडक (बरोडा)
18. श्री अशोककुमार पुरुषोत्तम राठी (सूरत)
19. श्री विजयकुमार लजपत शारदा (बारमेर)
20. श्री दलपतराय वासुदेव राठी (ड़ीसा)
21. श्री सुनील गिगल (बरोडा)
22. गुप्तदान (साणंद)
23. श्री भवानीशंकर मथरानी (अहमदाबाद)
24. श्री श्रवणकुमार डूंगरोमल (बाड़मेर)
25. श्री प्रेमकुमार अंबाराम कुंभारीया (थराद)
26. श्री रामलाल वेदव्यास कुंभारीया (थराद)
27. श्री नंदलाल धड़वाई (थराद)
28. श्री चमनलाल मेहरानी (थराद)
29. श्री श्रवण चमनलाल (थराद)

महेश गौ सेवा ट्रस्ट की द्वितीय मीटिंग दिनांक 21-6-19 को अहमदाबाद में संपन्न हुई। जिसमें सचिव श्री दिलीप मोहता ने बताया कि थराद के पास जेतडा गांव में किसी ट्रस्ट की 20 बीघा जमीन गौशाला को देने के लिए वह ट्रस्ट तैयार हैं । उसमें आगे की बातचीत और जमीन को ट्रस्ट में ट्रांसफर करने का कार्य के लिए श्री दिलीप मोहता को अधिकृत किया गया ।

ट्रस्ट की तीसरी मीटिंग थराद में 14, July, 2019 को हुई ।

जिसमें थराद समाज के सदस्य तथा अन्य कार्यक्रीनी मेम्बर्स, advisory board के मेम्बर्स और फ़ेडरेसन अध्यक्ष श्री ताराचंद केला मोजुद रहें। अध्यक्ष श्री लेखराजजी ने सभी का स्वागत किया। सचिव श्री दिलीपजी ने गौशाला के लिए ट्रस्ट के पदाधिकारीओ से मुलाक़ात कराई और गौशाला बनाने हेतु निर्धार किया । थराद समाज जी बहुत सारी प्रशंसा करनी होगी की जिन्होंने ५ सदस्य advisory board में तथा ५१ सदस्य ५१०० वाले बनाने का निर्णय लिया जिसमें श्री प्रेमकुमार कुंभरिया और जुगलकिशोर नंदलाल का विशेष सहयोग रहा। श्री आई पी महेश्वरी ने भी अपना सम्बोधन थराद महेश्वरी समाज को दिया। श्री लेखराज जीं ने स्वादिष्ट खाना और सभी मेहमानो की मिज़बानी के लिए थराद महेश्वरी समाज का हार्दिक धन्यवाद किया। ट्रस्ट की ज़मीन देखने के लिए सभी पदाधिकारी जेतडा गाँव गये और पंचायत की मुलाक़ात लीं। ज़मीन पर फोरेस्ट department ने पेड़ लगाना शुरू कर दिया था। इसलिए सभी ने निर्णय लिया की यहाँ गौशाला न खोली जाये और समाज अपनी ज़मीन थराद के पास ख़रीदकर गौशला बनाये। इसके लिए श्री प्रेमकुमार कुंभारिया और नंदलाल धड़वाई को ज़िम्मेदारी सौंपी गयी और वह ज़मीन देखकर अगली कार्यवाही करेंगे।

अभी राजस्थान में गायों की स्थिति बहुत ख़राब है। गड़रा रोड में चारा मिलता नहीं है। गड़रा रोड समाज ने ५ लाख की सहायता मांगी थी ट्रस्ट से और आपसमे विचार विमर्श करके प्रत्येक गाड़िया 30,000 सब्सिडी से देने का निश्चय लिया था जिनके लिए छगनलाल सरपंच ने 90,000 और 2,50,000 गडरा रोड़ा समाज ने दिए। इसके अतिरिक्त 60,000 महेशकुमार डूंगरमल मुंबई, 25,000 आई पी माहेश्वरी अहमदाबाद और 25,000 मदनलाल गिरधारीलाल आनंद तथा 1,00,000 लेखराज माहेश्वरी, जोधपुर एक्सपोर्टर ने सहायता की।

-:: गौमाता संदेश ::-

गौमाता जो आजीवन हमें अपने दूध- दही- घी आदि से पोषित करती है। अपने इन सुंदर उपहारों से जीवनभर हमारा हित करती है। ऐसी गौमाता की महानता से अनभिज्ञ होकर मात्र उसके पालन-पोषण का खर्च क्या हम सभी माहेश्वरी बंधु वहन नहीं कर सकते ? क्या गौमाता के प्रति हमारा कोई कर्त्तव्य नहीं है ?

माहेश्वरी बंधु होने के नाते हमारा कर्तव्य बनता है की हम गौमाता की रक्षा और पालन-पोषण करे। इसी हेतु जुलाई, २०१९ में थराद, गुजरात मैं मीटिंग हुए थी जिसमें गायों की सेवा हेतु माहेश्वरी समाज की गौ शाला बनानेका निर्णय लिया गया हैं। गायों के लिए कुछ करने की यह पहली मीटिंग मैं महेश गौ सेवा ट्रस्ट के सभी पद अधिकारी सलाकार और थराद गाँव के सभी माहेश्वरी भाई-बंधु उपस्थित रहेथे। गाय की सेवा करना ये हरएक हिन्दु नागरिक का सबसे बड़ा धर्म है, गायों का महत्व अपने इतिहास मैं बहोत ही ऊँचे पद पर किया गया है। गाय और भगवान श्री कृष्ण सद्देव ही साथ रहे है, गायों के रखवाले भगवान श्री कृष्ण ने अपना बालपन गौ और बछड़ों की अपने मित्रों के साथ सेवा की जिससे लोग उन्हें गोपाला और गोविन्दा नाम से जानते है, श्री कृष्ण ने गायों की सेवा कर उन्हें ख़ूब आनंदित और सुखमय रखा था। पहली ये गौ शाला बनाने की मीटिंग मैं थराद निवासी ५१ महेश्वरी बंधुओ ने ५,१००/- और ५ माहेश्वरी बंधुओं ने ५१,०००/- का गाय दान किया। महेश गौ सेवा ट्रस्ट का ये लक्ष्य है की महेश्वरी समाज गायों की सेवा हेतु समाज की अपनी एक गौ शाला नवनिर्मित करें। अगर हर एक माहेश्वरी बंधु यथाशक्ती कुछ गौ दान करें तो महेश्वरी समाज की गौ शाला जल्द ही नवनिर्मित हो सकती है। महेश गौ सेवा ट्रस्ट के सभी सदस्यों या लक्ष्य है की एक साल मैं ५१ मेम्बर ५१,०००/- के और १००० मेम्बर ५,१००/- के बनाने का निश्चय किया हे।

दिलीप मोहता

सचीव - श्री महेश गौसेवा ट्रस्ट

अहमदाबाद

समाज की जिम्मेदारीयां

ऐसे समय में जब सामान्य व्यक्ति अपने परिवार की जिम्मेवारी निभाने के लिए संघर्षरत हैं, उनसे यह अपेक्षा रखना कि वह समाज के लिए कुछ करे, उचित नहीं होगा। फिर किसकी जवाबदारी होगी की अपने परिवार के साथ-साथ समाज की जिम्मेवारी निभाए? एसे परिवार जिन पर माँ महालक्ष्मी की अत्यधिक कृपा हैं अथवा माँ सरस्वती की कृपा हो।

आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्तियों को लगता हैं की समाज में कोई गरीब नहीं हैं जबकि हकीकत में बहुत सारे परिवार ऐसे हैं जो भरण-पोषण के लिए संघर्षरत हैं। आज वह समय आ गया हैं जब समाज सक्षम व्यक्तियों से यह अपेक्षा रखे की जिस समाज में उनका जन्म हुआ हैं, उसकी सारी नहीं तो कुछ जवाबदारी वह भी ले अन्यथा जेसे सभी चले गए और कोई याद भी नहीं करता, वेसे वह भी चला जाएगा और कोई उसके जाने का अफ़सोस भी नहीं करेगा।

आज हमारे समाज में करीब 300-400 परिवार ऐसे हैं जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय एक करोड़ रुपए से अधिक हैं, यदि यह सारे परिवार निश्चय कर ले की समाज में आर्थिक रूप से सबसे पिछड़े हुए एक परिवार का हाथ थामकर कर उन्हें स्वावलम्बी होने में मदद करेंगे तो नीचे के 400 परिवारों को जीवनपर्यन्त के लिए किसी पर भी निर्भर नहीं होना पड़ेगा। माँ सरस्वती की कृपा से हमारे समाज में बहुत सारे डॉक्टर, इंजीनियर्स,CAs, MBAs एवं अन्य प्रोफेशनल में बहुत ऊँची पोस्ट पर कार्यरत हैं एवं जिनका वार्षिक वेतन अथवा व्यावसायिक आय पचास लाख रुपए से भी ज्यादा हैं। क्या यह परिवार एक सामान्य परिवार के बच्चे की पढ़ाई की खर्चा नहीं उठा सकता हैं?

में ऐसे सभी परिवारों से विनंती करता हूँ की निन्यानवे के फेर से बाहर आकर अपनी आय का न्यूनतम दो प्रतिशत समाज की सेवा के लिए खर्च करे जिससे समाज उपयोगी कार्य कर रहे कुछ साथियों को सहयोग कर जीवन पर्यन्त शकुन का अहसास करे। सब कुछ हांसिल करने के लिए तो सौ जन्म भी कम होंगे। आज से 25-30 वर्ष पहले हमारे समाज में शिक्षा का अभाव था। बहुत कम परिवारों में उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति होते थे लेकिन आज स्थितियाँ बदल गई हैं। आज हर परिवार में एक से ज्यादा ग्रेजुएट हैं। बहुत सारे परिवार ऐसे हैं जहाँ घर का प्रत्येक बड़ा सदस्य पोस्ट ग्रेजुएट हैं। ऐसी स्थिति में होना यह चाहिए की समाज में शिक्षित वर्ग आगे आता, अपने विचार समाज के समक्ष रखता और जो उसे उचित लगता, उसका स्वंय पालन कर समाज के सामने एक आदर्श पेश करता।

अफ़सोस, समाज के पढ़े-लिखे व्यक्तियों के पास समाज को देने के लिए बहुत कुछ होते हुए भी नहीं दे रहे हैं। शिक्षित तो हुए पर स्वकेन्द्रीत हो गए। पैसा कमाना तो आया, अपने लिए खर्च करने के तरीके भी सीख लिए लेकिन उस पैसे से समाज के किसी बंधु की मदद हो, वह संस्कार शिक्षा से नहीं मिला। न ही हमारे सामने समाज में ऐसे आदर्श थे, जिसका हम अनुसरण करते। न हमारे समाज में कोई गुरु हुआ जो हमारे जीवन में सही मार्गदर्शन करता।

में समाज के शिक्षित वर्ग से अपील करता हूँ की आप समाज के किसी कार्य में आर्थिक रूप से सहयोग नहीं कर सकते हो तो कोई बात नहीं लेकिन माँ सरस्वती की कृपा को यूँ ही व्यर्थ मत जाने दो। अपने ज्ञान से समाज को जगाने में आगे आए जिससे समाज के सभी परिवारों का भला हो सके। कुछ ऐसा करके जाओ के जाने के बाद लोग याद करे।

शिक्षित होना तभी सार्थक हैं जब हम शिक्षा का सही उपयोग कर किसी की मदद कर सके। आप सभी में वह सामर्थ्य हैं लेकिन उसे सही दिशा देने की जरुरत हैं। आओ, हम सभी मिलकर ढ़ाट माहेश्वरी समाज को एक नई दिशा देने के लिए प्रयत्न कर सौ प्रतिशत संपन्न, सुखी, स्वस्थ एवं शिक्षित बनाए ताकि राष्ट्र निर्माण में हमारा भी कुछ सहयोग रहे। हम सभी का प्रयास निश्चित रूप से सफल होगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास हैं।

परम-पिता परमेश्वर महेश की कृपा हम सभी पर अनंत रहे, इसी प्रार्थना के साथ।

आई. पी.माहेश्वरी। 9408794006

आम का पेड़

कुंतालपुर का राजा बड़ा ही न्याय प्रिय था। वह अपनी प्रजा के दुख-दर्द में बराबर काम आता था। प्रजा भी उसका बहुत आदर करती थी। एक दिन राजा गुप्त वेष में अपने राज्य में घूमने निकला तब रास्ते में देखता है कि एक वृद्ध एक छोटा सा पौधा रोप रहा है।

राजा कौतूहलवश उसके पास गया और बोला, "यह आप किस चीज का पौधा लगा रहे हैं ?" वृद्ध ने धीमें स्वर में कहा, "आम का"राजा ने हिसाब लगाया कि उसके बड़े होने और उस पर फल आने में कितना समय लगेगा। हिसाब लगाकर उसने अचरज से वृद्ध की ओर देखा और कहा, "सुनो दादा इस पौधे के बड़े होने और उस पर फल आने मे कई साल लग जाएंगे, तब तक तुम क्या जीवित रहोगे?" वृद्ध ने राजा की ओर देखा। राजा की आँखों में मायूसी थी। उसे लग रहा था कि वह वृद्ध ऐसा काम कर रहा है, जिसका फल उसे नहीं मिलेगा।

यह देखकर वृद्ध ने कहा, "आप सोच रहें होंगे कि मैं पागलपन का काम कर रहा हूँ. जिस चीज से आदमी को फायदा नहीं पहुँचता, उस पर मेहनत करना बेकार है, लेकिन यह भी तो सोचिए कि इस बूढ़े ने दूसरों की मेहनत का कितना फायदा उठाया है ?

दूसरों के लगाए पेड़ों के कितने फल अपनी जिंदगी में खाए हैं ? क्या उस कर्ज को उतारने के लिए मुझे कुछ नहीं करना चाहिए? क्या मुझे इस भावना से पेड़ नहीं लगाने चाहिए कि उनके फल दूसरे लोग खा सकें? जो केवल अपने लाभ के लिए ही काम करता है, वह तो स्वार्थी वृत्ति का मनुष्य होता है." वृद्ध की यह दलील सुनकर राजा प्रसन्न हो गया, आज उसे भी कुछ बड़ा सीखने को मिला था।

थरी-माहेश्वरी समाज का प्रथम परिचय संम्मेलन-२०१९

थरी माहेश्वरी मंडल के आयोजक श्री महेश वस्तानी और धर्मेश माहेश्वरी और कमीटी के सदस्यो ने ३०/०६/२०१९ को अहमदाबाद शाहीबाग में परिचय संमेलन का सुन्दर आयोजन किया। जिसका उद्देश्य था कि समाज के युवक-युवती अपना जीवनसाथी अपने समाज के एक कोमन प्लेटफोर्म पर पसंद कर सके।

इस परिचय संमेलन के मुख्य दाता जीतकमल परिवार से श्री कमलेश माहेश्वरी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त श्री गीरीश राठी, श्री दिपक भट्टर और २४ अन्य दाता भी थे। इस कार्यक्रम में मुख्य महानुभावो में श्री अर्जुलालजी बन्दुरा, AIFDMS के नवनिर्वाचित प्रमुख श्री ताराचंदजी केला, श्री पियुष भट्टर, श्री विजयजी केला, श्री आई.पी. माहेश्वरी, श्री मनुभाई हरानी तथा श्री दिलीपभाई मोहता उपस्थित थे।

माहेश्वरी परिचय संम्मेलन में करीबन २३५ लडके-लडकीयां ने ओनलाईन पंजीकरण करवाया था जिस में डॉक्टर, सी.ए. , एन्जीनीयर, पी.एच.डी., स्नातक और बिजनेसमेन सम्मलित थे जो गुजरात और राजस्थान से आये हुए थे। इसमें से करीबन १७० लडके-लडकीयों ने स्टेज पर आके अपना परिचय दिया। थरी माहेश्वरी समाज के करीबन ६०० सदस्य कार्यक्रममें उपस्थित थे।
आये हुए सभी अतिथीयों ने कार्यक्रम की खुब सराहना की और मुख्य आयोजक श्री महेशजी वस्तानी को एसा कार्यक्रम दोबारा करने की शुभेच्छा दी और उन्होने भी एसा कार्यक्रम फिर से करने का मंच से आह्वान किया। मातृशक्ति की महिलाओ द्वारा भोजन का बिगाड ना हो इसका ध्यान रखा गया और कार्यक्रम को सफल बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाज का गौरव

डॉ. भगीरथ केला (पाटण)
D. Ortho

डॉ. आकाश चांडक (तलोद)
M.D. Physician

डॉ. कुश चांडक (तलोद)
M.S. Gynec

डॉ. धरती केला (सुरत)
M.D. Anesthesia

डॉ. पार्थ नरेश राठी (भूज)
M.S Ortho

डॉ. हितेश केला (अहमदाबाद)
MS Gen. Surgeon

सुरज प्रफुल मालपानी (अहमदाबाद)
A.I.R. : 791 JEE Advance exam

पूजा जितेन्द्र केला (अहमदाबाद)
Gold Medal in MBA, Nirma Uni.

दिक्षा भवानीशंकर लोहीया
Master in Computer Science
Santa Clara University, California

अचिवमेन्टस

डॉ. जयदीप अशोककुमार चंदिरा (साणंद)
Admission in M.S (Gen. Surgery)
NHL Medical College

डॉ. कार्तिक अशोककुमार माहेश्वरी (पालनपुर)
Admission in M.S (Gen. Surgery)
Jaipur

करीश्मा अक्षय चंदिरा
Admission in MBA in Finance
City University New York (CUNY)

ध्रुवांग अनिल मथराणी (गांधीधाम)
Silver Medal in Petroleum Engineering
PDPU

ध्रुव कमलेशभाई कचोरीया (पाटन) को स्टेट लेवल कोम्पीटीशन UCMAS में पाँचवा स्थान होने पर बहुत बहुत बधाई

सिद्धी करणकुमार मोहता - डीसा को Indian Talent Group में Inspiring Teacher Award मिलने पर हार्दिक बधाई

गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित एवं सूरत जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में किए गए "गुजरात संदेश" टीम के चयन का कार्यक्रम *कौन बनेगा सुपरस्टार* में सिंगिंग जूनियर केटेगरी मे ढाट समाज के अहमदाबाद के तक्ष शाह एवं सिंगिंग सीनियर केटेगरी मे बडौदा के लव राठी एवं पालनपुर के डो. ध्रुव माहेश्वरी का चयन हुआ है. ये तीनो अब अगस्त 2019 मे बेंगलोर मे होने वाली अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के सांस्कृतिक कार्यक्रम मे गुजरात टीम से भाग ले रहे है.

- तनिष्क गौरांग केला ने LogIQids Logical Reasoning Olympiad Apr-2019 प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर 6th Rank प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई।
- तनिष्क गौरांग केला उम्र ६ साल के बच्चे ने बिना देखे माननीय वडाप्रधान श्री नरेंद्र मोदी जी की A से Z योजनायें बताई थी। तनिष्क का लाइव इंटरव्यू टीवी 18 न्यूज़ चॅनेल वालो ने लिया और फेसबुक लाइव, TV9 न्यूज़ चैनल , ABP अस्मिता, जय पूर्वांचल SAB चॅनेल पर आया था।

Provisional Consolidated Income & Expenditure as on 31.03.2019

Expenditure	Samaj	SSS	Medical Relief Fund	Education	Total	Income	Samaj	SSS	Medical Relief Fund	Education	Total
Salary Expenses	154,500	106,000	0		260500	Interest on Fixed Deposit	263809	1614892	395552	69678	2274253
Expenditure on the Object of the Trust						Interest other than Fixed Deposit	9821	4142	6175	9244	20138
Medical Relief Payments			559000								
Death Claim Paid		1300000									
Flat Maintainance Exp	86049				86049	Donation Income	1279400	-	25,000.00		1304400
Accounting charges	18000	12000			30000						
Audit Fees	8000	4000			12000	**Excess of Expense over Income**	670501		1,247,784.00		1918285
Bank Charges	590	2582	590		3762						
Courier Expenses	43612	6489	1040		51141						
Labour Charges	2985				2985						
Meeting Expenses	45854				45854						
Magazine Expenses	60000				60000						
Miscellaneous Expenses	15600				15600						
Mobile Application Charges	100000				100000						
Programme Expenses	741598				741598						
Printing & Stationery Expenses	13200	5145			18345						
Telephone Expenses	13540	6284			19824						
Travelling Expenses	34510				34510						
Donation Expenses	812496				812496						
Conveyance Expenses	10923				10923						
Karate Expense	20460		1113881								
Municipal Tax Expenses	8854										
Office Expenses	24500	11508			36008						
SMS Charges	8260				8260						
Excess of Income over Expenses		**165,026**	**-**	**78,922**							
Total	**2223531**	**1619034**	**1674511**		**5517076**	**Total**	**2,223,531**	**1,619,034**	**1,674,511**	**78,922**	**5,517,076**

Consolidated Balance sheet as on 31.03.2019

Liabilities	Samaj	SSS	Medical Relief Fund	Education	Total	Assets	Samaj	SSS	Medical Relief Fund	Education	Total
Fund						**Fixed Assets**					
Building Fund-Corpus	8755034	-	-		**8755034**	Fixed Assets(Annexure)	3935076	-	-		**3935076**
Trust Fund - Corpus	1780159	-	-		**1780159**						
Reserve & Surplus	-3164921	6219412	-391358	78922	**2663133**						
Member's Conrtibution	-	16561920	5273720		**21835640**	**Investment**					
Medical Relief Fund - Corpus	-	-			**0**	Fixed Deposit(Annexure)	3267270	23859071	4897926	2469678	**32024267**
Corpus Fund - Education				2418057							
Liabilities						**Current Assets**					
AIFDMS SSS A/c	0	-	154,000.00		**154000**	Cash in Hand	5921	1085	-		**7006**
Advance Member's Contribution	-	1324570	-		**1324570**	Bank Account	204005	91746	138436	27301	**434187**
Creditors	42000	-	-		**42000**	TDS Receivable	-	-	-		
Medical Relief Fund	-	-	-			AIFDMS - Samaj A/c	-	0	-		**0**
AIFDMS Samaj A/c	-		-			Medical Relief Fund	-	154000	-		
						AIFDMS - SSS A/c	-	-	-		
Total	**7412272**	**24105902**	**5036362**	**2496979**	**36554536**	**Total**	**7412272**	**24105902**	**5036362**	**2496979**	**36400536**

Amount Received as a Donation from 01/04/2019 till Date

Sr. No.	Donor Name	City	Amount
1	Tarachandji Govindaramji Kella	Surendranagar	1,51,000 /-
2	Pitmberdasji Bhomrajji Maheshwari	Maninagar	1,01,000 /-
3	Bansidharji Ranomalji Chandira	Jaipur	51,000 /-
4	I P Maheshwari	Ahmedabad	25,000 /-
5	Ashokkumar Akhani	Isanpur	21,000 /-
6	Girishbhai Madanlalji Rathi	Palanpur	21,000 /-
7	Radhben Shrawankumar Rathi	Kadi	11,000 /-
8	Maheshkumar Parmanandji Malhar	Deesa	11,000 /-

एक अद्‌भूत इच्छाशक्ति

।। घट मां घोडा थनघने ने आतम विंझे पाँख, अण दीठेली भूमि पर यौवन मांडे आँख ।।

यह झवेरचंद मेघाणी कि पंक्ती को सार्थक ठहराता ३० वर्ष का नौजवान थरी माहेश्वरी “कलवा दिनेशकुमार मुरलीधर” । जिन्दगी में लगातार आगे बढ रहा यह नोजवान अचानक ही मानो जिन्दगी के भवर में फँस गया, पर वो जरा भी कमजोर नहीं पडा और खुद की मेहनत से बाहर निकला ।

११ वर्ष पहले हुये एक जानलेवा दुर्घटना से वो निकल तो गया पर अपनी अवस्था देखकर वो क्यों बच गया, एसा विचार उस क्षण उसके मन में अगर आया भी हो तो, उसका आश्चर्य नही होना चाहिये । जीवन मे कभी - कभी ऐसे पल भी आते है, जब शरीर चाहे साथ न दे पर दिल का जोश इन्सान को मरने नहीं देता है । जिंदगी को एक अलग तरह से देखते यह नौजवान दिनेश कलवा अपनी तकलीफों से हार मानने कि बजाय उनसे लडना सही समझा । मुंबइ समाचार के साथ हुई मुलाकात के दौरान दिनेश कलवा अपने उन दिनों के याद करके जो बताया जिसे पढने से बहुतों को जीने की प्रेरणा मिल सकती है ।

जीवन अपने लक्ष्य कि तरफ बढ ही रहा था, कि मेरे साथ अनचाही घटना घटी । २० मार्च २००५ के दिन अलंग शिपयार्ड से गांधीधाम आते हुये एक्सीडन्ट हुआ, मेरे दोनो पैरों की हलन चलन नहीं हो रही थी, और कमर के नीचे के भागमें चेतना ही नही थी । मुझे लगा अब मेरा अंतीम क्षण आ गया । घटना स्थल से मुझे अहमदाबाद लाया गया वहाँ मेरा ओपरेशन हुआ, स्पाईनल कोड कमर के लेवल से कट गई है । और साथ ही साथ ये भी पता चला की दुनिया में उसका कोई ईलाज नहीं है ।

अब मैं और मेरी धर्मपत्नी हस्मीता दोनों ही मेरी इस बीमारी का इलाज ढुंढने लग गये । स्टेम सेल नाम की नयी तकनीक से मुझे फायदा हो सकता है । ऐसी हमे सूचना मिली, और तब सही होस्पिटल का संपर्क करके हमने इलाज शुरु किया । इस तकनीक में स्त्री के एम्ब्रो और बोनमेरो लेकर स्टेमसेल बनाया जाता है । हस्मीता बोनमेरो और एम्ब्रो देने के लिए तैयार थी इस तरह से ३ बार स्टेमसेल बनाकर मेरी स्पाईन में दिया गया । पहली बार मुझे थोडा फायदा होने के कारण हमने दुसरी “दो” बार चान्स लिया । जिससे मुझे १० प्रतिशत जितना ही फायदा हुआ पर हस्मीता को हेल्थ प्रोब्लेम न हो इस वजह से हमने ये इलाज रोक दिया इस तरह से हस्मीता मेरी इस लडाई में हर वक्त मेरे साथ हंमेशा खडी रही ।

अगर जिद हो तो इन्सान आसमान भी छु सकता है । इस बात को सार्थक करते हुए दिनेश कलवा आगे बढते रहे । उन दिनों के बारे में उन्होने कहा की एक वो समय था, जब में खुद से पानी भी नही पी सकता था और एक वो समय आया जब मैं मेरे साथ साथ मेरे परिवार की जवाबदारी लेने को तैयार था । उस समय भी तकलीफे उतनी ही थी, पर अपने परिवार को देखकर खुद को मजबुत कर लिया था, अब मैं ओफिस जाने लगा हुँ । ओफिस का स्टाफ मुझे उपर उठाकर लेकर जाते थे । शुरुआतमें शर्म महेसुस होती थी कि लोग क्या सोचते होगें, पर धीरे-धीरे शर्म और लोगों कि परवाह करनी छोड दी । और मुझे क्या करना है । उस पर ध्यान केन्द्रीत करने लगा । अब मुझे फिर से आत्मनिर्भर होने कि मानो आदत सी होने लगी थी ।

खुद पर जो बीती उससे सभान दिनेश कलवा भविष्य में किसी के साथ एसा अकस्मात हो जाये, उनकी मदद के लिए कटीबद्ध है । वो भारत में पेराप्लेजिक लोगों के लिए Rehabilitation सेन्टर चालू करना चाहते है जहां वे ऐसे पेशन्ट को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना चाहते है । वे कहते है कि ऐसे पेशन्ट अक्सर मानसिक रुप से टुट जाते है, उन्हे शर्म महेसूस होती है । क्योंकि हर छोटे छोटे काम के लिये उन्हें दुसरो पर निर्भर रहना पडता है । वे हर पेशन्ट को आत्मनिर्भरता सीखाना चाहते है । कलवा दिनेश के जीवन से सीख लेत हुये कि हम अपने जीवन में छोटी छोटी परेशानियों से विचलित होने के बजाय अन्य रास्तों कि तलाश करे और हमेशा ही खुश रहे । इतना ही सीख सके तो बहुत है ।

इमोशनल और सच्ची बात का पत्र

जी. डी. बीरलाजी का अपने पुत्र (बी. के. बीरला) को लिखा गया पत्र (१९३४)

चि. बसंत !

यह जो लिखता हूँ उसे बडे होकर और बूढे होकर भी पढना, अपने अनुभव की बात कहता हूँ । संसार में मनुष्य जन्म दुर्लभ है और मनुष्य जन्म पाकर जिसने शरीर का दुरुपयोग किया, वह पशु है । तुम्हारे पास धन है, तन्दुरस्ती है , अच्छे साधन हैं, उनको सेवा के लिए उपयोग किया, तब तो साधन सफल है, अन्यथा वे शैतान के औजार हैं । तुम इन बातों को ध्यान में रखना । धन का मौज - शौक में कभी उपयोग न करना, ऐसा नहीं की धन सदा रहेगा ही, इसलिए जितने दिन पास में है, उसका उपयोग सेवा के लिए करो, अपने उपर कम से कम खर्च करो, बाकी जनकल्याण और दुखियों का दुख दूर करने में व्यय करो । धन शक्ति है, इस शक्ति के नशें में किसी के साथ अन्याय हो जाना संभव है , इसका ध्यान रखो की अपने धन के उपयोग से किसी पर अन्याय ना हो । अपनी संतान के लिए भी यही उपदेश छोडकर जाओ । यदि बच्चे मौज - शौक, ऐश - आराम वालें होंगे तो पाप करेंगे और हमारे व्यापार को चौपट करेंगें ।

ऐसे नालायको को धन कभी न देना, उनके हाथ में जाये उससे पहले ही जनकल्याण के किसी काम में लगा देना या गरीबों में बाँट देना । तुम उसे अपने मन के अंधेपन से संतान के मोह में स्वार्थ के लिए उपयोग नहीं कर सकते ।

हम भाईयों ने अपार महेनत से व्यापार को बढाया है तो यह समझकर कि वे लोग धन का सदुपयोग करेंगे ।

भगवान को कभी न भूलना, वह अच्छी बुद्धी देता है, इन्द्रियों पर कावू रखना, वरना यह तुम्हें डुबो देगी । नित्य नियम से व्यायाम - योग करना । स्वास्थ ही सबसे बडी सम्पदा है । स्वास्थ से कार्य में कुशलता आती है । कुशलता से कार्यसिद्धी और कार्यसिद्धी से समृद्धी आती है । सुख - समृद्धी के लिए स्वास्थ ही पहली शर्त है । मैंने देखा है कि स्वास्थ सम्पदा रहित होने पर करोडों - अरबो के स्वामी भी कैसे दीन-हीन बनकर रह जाते है । स्वास्थ के अभाव में सुख - साधनों का कोई मुल्य नहीं । इस सम्पदा की रक्षा हर उपाय से करना । भोजन को दवा समझकर खाना । स्वाद के वश होकर खाते मत रहना । जीने के लिए खाना है, न कि खाने के लिए जीना ।

- घनश्यामदास बिडला

“विश्व में जो दो सबसे सुप्रसिद्ध और आदर्श पत्र माने गए है उनमें एक है । “अब्राहम लिंकन का शिक्षक के नाम पत्र” और दुसरा यह है ।”

:: बंसीधरजी माहेश्वरी ::

फिलोसोफरो ने कहा है कि, मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है उसको समाज या अपने समुह से अलग रहना अच्छा नहीं लगता ।
हर मनुष्य का अपना परिवार होता है । और एसे एक ही ज्ञाती के अनेक परिवारो से समाज की रचना होती है । जो अलग - अलग गांव में बसे हुए हो सकते है । लेकिन समाज को सुचारु रुप से चलाने के लिए नैतिकता और व्यहवारिकता के आधार पर कुछ नियम होते हैं और कुछ नियम (रिवाज) बन जाते हैं ।

माहेश्वरी समाज सनातम धर्म का पालन करता था और अढारवीं सदी के मध्य में मारवाड से थर प्रदेश में आया तब उनके साथ अन्य वसवाया कोमें भी थी । जैसे कि माली, खत्री, सोनारा, सुथार, नाई, वगेरे वो भी साथ में आए । पुष्करणा, श्रीमाली, सारस्वत, ब्राह्मण भी साथ में थर प्रदेश में आए ईन सब में माहेश्वरी वाणिया और पुष्करणा बाह्मण उच्च ज्ञातियां मानी जाती थी ।

थर में १८-२० गांवो मे वसवाट करने के बाद आखिर में माहेश्वरी ज्ञाति मिठ्ठी, छाछरो, चेल्हार, कांटयो, उमरकोट, गढ़डो, छोड, हढाकर, डाहली, बगल, पारनो, भोरीलो वगेरे गांव में स्थायी हुए । सिंध मे टंडे अल्हयार में भी थोडे घर थे । इन सब ढाटी माहेश्वरीयों के घरों में आपस में रोटी - बेटी का व्यहवार था । मारवाड के गांवो में लीलमो, सतो-सुंदरो, जयसिंधर, खुहडी, म्याजलार वगेरे गांवो में आवन जावन भी था ।

थर में मारवाड से आने के बाद भी बोली, पहेरवेश, त्यौहार, जन्म-मरण-परण वगेरे के रीत-रीवाज वही रहे । हम लोग थर में १५० से २०० साल तक रहे । बीसवीं सदी की मध्य में गुजरात और राजस्थान के ४५० से ५०० गांवो में बिखर गए । एक ही गांव में एक ही परिवार रहता है ऐसे बहुत से गांव है इस के अलावा भारत के और राज्यों में भी ढाटी माहेश्वरी परिवार रहते है ।
पाकिस्तान के पचास गांवो में माहेश्वरी परिवार रह रहे है । तद्उपरांत अमेरीका, केनेडा, ओस्ट्रेलिया, न्युजीलेन्ड, गल्फ वगेरे देशो में कई परिवार वहां रोजगार के हिसाब से गए वहां स्थायी हो गऐ ।
कोई भी समाज के रीत रीवाज, देशकाल, और संजोगो के अनुसार बदलते रहते है । और सब को उनके अनुकुल होना पडता है । पहेले लोगो के पास खूब समय रहता था । अभी उस की तंगी है । और बहुत भागदौड रहेती है । हमारे में शिक्षा का व्याप बढा है । हमारे यहां अभी डोक्टर, एंजीनियर, सी.ए, प्रोफेसर जैसी अच्छी सर्विस में कई लोग हैं ।

धंधे की बात करे तो पहेले "हट" थे अभी छुटक तथा जथ्थाबंध वेपार है । गंजबजारो में पेढीयां है । कारखाने है, कई लोग बिल्डर है और कई तरह के कोम्प्युटर के लगते नए व्यापार में भी है ।
थर में रहते माहेश्वरी बंधु ढाटकी बोली बोलते थे अब भी वही बोलते है । भौगोलिकता अनुसार थोडा फेरफार होता है । पहेरवेश में धोती, चोला, पाघडी । स्त्रीयां ओढण-घाघरा वगेरे पहेले पहनते थे । सोने के टोलटंक (जेवरात) मे दोहरी, कंठलो, अली-बोरलो, भोगडी, झुंबर, दुरगला वगेरे भारी जेवरात पहेनते थे । बांही भी पहेनते थे । चांदी के जेवरात में कुडी, साटा लंगर, नेवर वगेरे का चलण था । थर में पुरुष-स्त्री की वस्ती का प्रमाण १०००/८०० था । लडकियां कम थी इस लिये साटे का रीवाज था । तीसरी - चोथी पीढी में उथले का साटा में सगपण होते थे । सामान्य बात थी । हमारे त्यौहार जैसे होली, दिवाली, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, अजडी, इश्वर-गवर, काजली त्रीज, अखात्रीज, वैशाखी, बन-बारस, उभछठ्, नवरात्री, वगेरे थे । अपना ढाट समाज का पारंपारिक खुराक खिच-रबडी, बाजरी की रोटी, सुकवणी की सबजियां थी और बहुत सारे ओलण होते थे । घी-दूध, मख्खन, छाछ का उपयोग खूब होता था । मिठाईओ में मगत, नुक्ति, मैसु, मुंहथाल, दुधपैंडा, वगेरे थे ।
अभी हर परिवार का अपना घर है । खुद का व्यवसाय या नौकरी है, उच्च शिक्षण है । बस कहने का इतना है की भगवान महेश की कृपा से ढाटी माहेश्वरी समाज सुखी व संपन्न है ।

डिकरी कोन्ही , डिकरो डीन्हो

डीकरी कोन्ही, डीकरो डीन्हो, हींये मँजलो हार डीन्हो,
अंखिया रो मी नुर डीन्हो, पांतरो धा शेठ,
मीं.., निज पेश सोनो डीन्हो। ......डीकरी कोन्ही, डीकरो डीन्हो,*

मथ्थे रो मुगट मी डीन्हो, घर रो अभिमान डीन्हो,
काडजे रो कटको मी डीन्हो,
मांजी मुस्कान रो कारण मी डीन्हो। .....डीकरी कोन्ही, डीकरो डीन्हो,*

संस्कारा रो घडो मी डीन्हो, मांजी सींच्यो री फ़सल मी डीन्हीं,
माये बग़ीचे रो फूल मी डीन्हो, गंगाजल कोन्ही,
सजी भइती गंगा मी डीन्ही। .....डीकरी कोन्ही, डीकरो डीन्हो,*

आँसु उएरा बर्दास्त कोन्ही मन्हा,
छप्पन री छाती रो बाप हाँ,
स्वाभिमान मी जीती रहे डीकरा,
आशीष बाप री एइज सदाय। .....डीकरी कोन्ही , डीकरो डीन्हो,*

- सपना राठी, सूरत

कभी सोचा न था मैंने

कभी सोचा न था मैंने...
मैं भी ऐसे संवेदनाविहिन हो जाऊंगी
दया, प्रेम और करुणा से कोसों दूर हो जाऊंगी

कभी सोचा न था मैंने...
मैं भी ऐसे प्रेमविहिन हो जाऊंगी
प्यार मोहब्बत को भूल नफरतों को पालूंगी

कभी सोचा न था मैंने...
मैं भी ऐसे दयाविहिन हो जाऊंगी
इन्सानियत से तोड़ नाता बुराईयों में डूब जाऊंगी

कभी सोचा न था मैंने...
मैं भी ऐसे मानवताविहिन हो जाऊंगी
जग का दोष देते-देते खुद ही दोषी बन जाऊंगी

डॉ. रेखा कचोरीया, मोरबी

समाज की अन्य प्रवृत्तियाँ

आज हमारे समाज में त्यौहारों के साथ साथ कई समाजलक्षी एवं राष्ट्रीयलक्षी प्रवृत्तियाँ की जाती है । जैसे योगा, वृक्षारोपण, ब्लड डॉनेशन केम्प राजकीय क्षेत्र इत्यादि ।

रक्तदान शिबिर

रक्तदान शिविर - बाडमेर

राजकीय सम्मान

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा का स्वागत करते हुए समाज के आग्रणी विजयभाई केला

शतायु वर्षगांठ

माहेश्वरी समाज पालनपुर महिला मंडल की कारोबारी सदस्यों द्वारा दिनांक २७/०६/२०१९ के दिन भेरुमल और मदनलाल चुनीलाल राठी की मातृश्री शणगारीबेन चुनीलाल राठी की १००वीं वर्षगांठ पर शाल और फुलहार से सम्मानित किया ।

कन्यादान

श्री ताराचंदजी केला एवं श्री दिलीपजी मोहता द्वारा बरोडा में आयोजित दिव्यांग लग्न समारोह में किया गया कन्यादान ।

समाज की अन्य प्रवृत्तियाँ

पेड़ लगाओ - जीवन बचाओ

सुरेन्द्रनगर

डीसा

पालनपुर

डेन्टल केम्प (पालनपुर)

योगा और कराटे

पाटन

मुख्य अतिथी पाटन जिल्ले के SP शोभाजी भुतडा

सुरेन्द्रनगर

बरोडा

बाजवा

AIFDMS बनासकांठा मीटींग (डीसा)

हस्तकला व शिल्पकला के मसिहा

प्रमुख समाजसेवी श्री मथुरादास प्रागचंदजी के यहां श्री लेखराजजी का जन्म 11/05/1948 को हुआ । मथुरादासजीने अपना पुरा जीवन समाजसेवा व नारी उत्थान में लगाया । आपके पदचिन्हों पर चलते हुए श्री लेखराजजी ने भी समाज-सेवा का बीडा उठाया । श्री लेखराजजी की शादी श्रीमती प्रकाशी देवी से १९६७ से हुई । श्री माहेश्वरी जी के समाज-सेवा के कार्यो की जानकारी इस तरह से है ।

सन् १९७१ की भारत - पाक लडाई में करीब १००० माहेश्वरी परिवार अपना घर-बार, सामान छोडकर बाडमेर आए। बाडमेर कलेक्टर द्वारा श्री लेखराजजी को नियुक्त किया गया कि वह प्रतिदिन की जानकारी , उनके ठहरने की व्यवस्था व गाडीयों द्वारा पाकिस्तान से उनका सामान मंगवाने की परमिट जारी करना, जैसे महत्वपूर्ण कार्य करवाएं। श्री माहेश्वरीजीने दिन-रात महेनत करके करीब आठ महीने तक जिम्मेदारी से यह कार्य पूर्ण करवाया।

श्री बाबुलालजी तोतलाकी अध्यक्षता में समाज कार्यकारिणी में अधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त किए, जिन्होंने समस्त सरकारी कार्यो को निर्विध्न पूर्ण करवाया। शिक्षा सचिव श्री घनश्यामजी मूंदडा के साथ ५ स्कुल की प्रबंधन कार्यकारिणी में सदस्य रहे। MGV बालिका विद्यालय, विद्याधरनगर की भूमि के लिए श्री बजरंगजी जाखोटिया के साथ लगातार दो साल मेहनत करके, JDA में अधिकारीयों से मिलकर ९००० गज जमीन ९०,०००,०० में Allott करवाई। श्री माहेश्वरीजी ने मूंदडाजी जाखोजियाजीके साथ मिलकर, राज्य सरकार से 50% पर 45,000,00 पर स्वीकृत करवाया।

वरिष्ठ समाज सेवी श्री राधा किशन जी अजमेरा, बाबुलालजी तोतला, बालकृष्ण सोमानी जी, जाखोटिया जी, मूंदडाजी के साथ जाकर श्री भंवरलालजी शर्मा, मंत्री (राज सरकार) से निवेदन कर समाजकी वाजिब मांग को देखते हुए, सिर्फ १ रु टोकन मनी पर ९००० गज जमीन आवंहित करवाने में इनका विशेष सहयोग रहा। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा रे अध्यक्ष श्री श्यामसुंदरजी सोनी ने माहेश्वरी जी की कार्य-कुशलता को देखते हुए, व्यापारीक अनुभव से प्रभावित होकर औद्योगीक एवं व्यवसाय मार्गदर्शन प्रकोष्ठ का समिति सदस्य बनाया गया। माहेश्वरी पब्लिक स्कुल, जवाहर नगर ते लोकार्पण के लिए दिल्ली जाकर श्री रामदासजी अग्रवाल के साथ भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारीजी बाजपेयी से मिलकर उनसे निवेदन कर लोकार्पण की स्वीकृति ली गई।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो बार मीटिंग, जयपुर में हुइ। अध्यक्ष श्री रामदास दी अग्रवाल द्वारा, उनके ठहरने की व्यवस्था श्री माहेश्वरीजी को सुपत्र कि गई , श्री लेखराजजी ने अपना अहम् योगदान देकर माहेश्वरी समाज द्वारा, भोजन की व्यवस्था की जिसमें १०० गणमान्य व्यक्ति उपास्थित रहे। नई दिल्ली में श्री लेखराज बचाणी, सांसद की प्रेरणा से आंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी परिषद का गठन किया गया, जिसका उद्देश्य राष्ट्र के निर्माण में तन-मन-धन से सहयोग की भावना उत्पन्न करना था। दिल्ली में आंतरराष्ट्रीय स्तर का भवन बनवाया, एवं संपूर्ण विश्व में रह रहे माहेश्वरी बंधुओ की जनगणना करवाकर पुस्तक प्रकाशित करवाना एवं सामाजिक कार्य करना , इसका उद्देश्य रहा।

ईस कार्य के लिये श्री माहेश्वरी जी को संगठन मंत्री बनाया गया, जो आज दिन तक संगठन का कार्य देख रहे है । जयपुर माहेश्वरी समाज ने आपकी सेवाओं को देखते हुए १९९५ से २००१ तक आपको सम्मानीत किया। २०१४ में महेश नवमी पर All India Handicraft (EPCH) के अध्यक्ष बनने पर सम्मानीत किया गया। २०१९ में माहेश्वरी समाज, जयपुर एवं जयपुर जिला माहेश्वरी द्वारा आपको सम्मानीत किया गया माहेश्वरी समाजकी कार्यकारिणी में २००८ से २०११ तक सदस्य रहे। २०१५ से २०१८ तक एज्युकेशन कमेटी के सदस्य रहे। २०१९ से २०२१ आप समाज कार्यकारिणी के सदस्य है।

जनवरी २०१९ में अखिल भारतीय माहेश्वरी महाधिवेशन जोधपुर में संपन्न हुआ, उसमें लगभग ३०००० माहेश्वरी पुरे देश के कोने कोने से पधारे उसमें माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो का आयोजन किया गया, जिसमें ५०० Stall थे। श्री माहेश्वरी जी Advisory Committee के मेम्बर रहे, समय समय पर Global Expo की सफलता के लिये मार्गदर्शन किया। २००८ से २०१२ तक माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की कार्यकारिणि क सदस्य रहे। कुम्भ मेले में, हरिद्वार भवनमें आपने १५ दिन रुककर अपनी सेवाए दी। व सभी माहेश्वरी बंधुओ की आवास एवं भोजन व्यवस्था में सहयोग किया। २००१ में गुजरातमें भयंकर भुकम्प के वक्त श्री माहेश्वरीजी ने अंतराष्ट्रीय माहेश्वरी परिषद दिल्ली के तत्त्वाधान में, माहेश्वरी बंधु (सुरेन्द्रनगर) के साथ भचाउ, अंजार, गांधीधाम न भुज एवं भुजोडी जाकर माहेश्वरी बंधुओ के समस्याओं के निराकरण में सहायता की एवं आर्थिक मदद की।

भारत सरकार की Textile Ministry के अंतर्गत Export promotion Council for Handcrafts, Delhi के १९९८ से आज तक निरंतर Community and Administration केMember है। इन २० सालों में सैकडो माहेश्वरी बंधुओ को, जो पहले कपडा व किराना बेचते थे , Handicraft में आने के लिए प्रोत्साहित कर, Export Business एवं Showroom(Handicrafts) जैसलमेर, जोधपुर, जयपुर, दिल्ली में करीब ५०० परिवारो को स्थापित होने में मदद की एवं निर्यात संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सन २०१३ में आपको EPCH(Delhi) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिसमें समस्त भारत के १०००० सदस्य हैं, ये सुनकर समस्त माहेश्वरी समाजमें हर्ष की लहर दौड पडी।

माहेश्वरी समाज, जोधपुर के महेश नवमी के अवसर पर आपको विशेष अतिथी बनाकर १५,००० लोगो ने आपका हार्दिक स्वागत किया। ज्ञाती बंधुओ ने समाचार-पत्र में समस्त पृष्ठ पर विज्ञापन देकर व ५० से ज्यादा हार्डिंग्स लगाकर बधाई दी। इसी प्रकार दिल्ही, जयपुर, बाडमेर, गडरा रोड, अहमदाबाद, बडोदा, सुरेन्द्रनगर आदि स्थानो के सैंकडो माहेश्वरी बंधुओने ढोल नगाडे के साथ, पुश्तैनी गांव के लोगो ने पूरे शहर में घुमाकर स्वागत किया। स्वर्गीय श्री रामदासजी अग्रवाल की अध्यक्षता में अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन, १९९७ से जुडे हुए है। वर्तमान में राजस्थान प्रदेश वैश्य सम्मेलन के सीनीयर Vice-Chairman है।

International Vaishya Federation, Delhi के Vice-Chairman के पद पर सुशोभित है। इसी फेडरेशन ने आपकी सेवाओ में ओर कार्य कुशलता ओर कर्मठता को देखते हुए Life time achievement award, Dr. Pangadia जी एवं अन्य विभुतियो के साथ दिया। Federation of all India Dhat Maheshwari Samaj, गुजरात व राजस्थान के करीब ५००० परिवार है। ये संस्था १२ वर्षो से समाज के उत्थान, शिक्षा, चिकित्सा, इंश्योरेन्स, आदि के लिए प्रयासरत है।

आप इसके सक्रिय सदस्य है। २०१५ में हरिद्वार में श्री भागवत कथा के आयोजन में, समस्त व्यवस्थाओं को ६ बार हरिद्वार जाकर, जिम्मेदारीपूर्वक निभाया। कथावाचक पं.विजयशंकर जी महेता थे, माहेश्वरी जी १० दिन वहां रुककर श्री माहेश्वरी भवन, हरिद्वार में सभी व्यवस्थाओ को सुचारु रुप से संभाला। आपकी कार्य-कुशलता को देखते हुए राजस्थान का कन्वीनर नियुक्त किया गया है।

अहमदाबाद में All India Federation द्वारा, संचालित श्री महेश गोसेवा ट्रस्ट का २ साल के लिये अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी सेवाए दे रहे है। जिसका विवरण इस प्रकार है।...

(1) Committe Member, All India Maheshwari Mahasabha Industrial & Business Development committee.
(2) संगठन मंत्री, International Maheshwari foram, Delhi
(3) Education Committee management, Member
(4) President, sri mahesh Go sewa Trust
(5) President (Emetics), Federation of Rajasthan home textile and handicraft
(6) Senior vice chairman, Rajasthan pradesh vaishya federation
(7) Vice-President, International vaishya Federation, Delhi
(8) Managing committee Member, Laghu Udhyog bharti, Rajasthan
(9) Former Chairman & CEO Member, Export Promotion Council of Handicrafts, Delhi
(10) Director, India Exposition mart Ltd., Grater Noida.

इसके अलावा आप धार्मिक व सामाजीक प्रवृति के दयालु व्यक्तित्व है। शांति - कुम्भ परिवार हरिद्वार से वर्षो से जुडे हुए है। आपने अपना समस्त जीवन समाज सेवा में लगा दिया। राजस्थान व गुजरात के माहेश्वरी परिवारों को आडंम्बर मुक्त होने के लिए प्रेरित कर रहे है। प्रत्येक परिवारमें अपनी कमाई का एक अंश गौ-सेवा मे लगने को प्रेरित कर रहे। इस में श्री माहेश्वरी जी को सफलता प्राप्त हो रही है।

हैंडीक्राफ्ट व्यापार को पूरे विदेश में बढ़ाने हेतू निर्यात सर्वधन परिषद नई दिल्ली के तत्वावधान में उपाध्यक्ष कि हैसियत से २००२ में भारत का इंडिया फेस्टिवल karakas (वेनेजुएला देश) में आयोजित किया गया, जिसमें भारत के ३२ निर्यातकों एवम भारत के डान्सर ग्रुप ने अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसका उदघाटन केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमान काशीराम राणा जी ने किया । लेखराज जी के साथ उनकी धर्म पत्नी श्रीमती प्रकाशी देवी ने भी फेस्टिवल में भाग लिया । ये फेस्टिवल १५ दिवस का था ।इसके अलावा लेखराज माहेश्वरी ने टीम लीडर की हैसियत से *EXPOTERS के साथ निजे लिखे अनुसार यात्रा कि : २००५ में ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूज़ीलैंड २००६ में लंदन २००७में ब्राज़ील२००८ में ग्रीस २००९ में चिली२००९ में अर्जेन्टीना २०११ में अर्जेन्टीना २०१२ में अर्जेन्टीना२०१३ में हांगकांग २०१३ में जापान२०१३ में अर्जेन्टीना २०१३ में चाइना २०१४ में अमेरिका २०१४ में अर्जेन्टीनासभी देसों में इंडिया फेस्टिवल हुआ । इसके अलावा १९९१ में आप भाई हीराचंद के साथ लंदन ,पेरिस ,इटली व स्वीजरलैंड की हेंडीक्राफ्ट विस्तार के लिये वंहा के विदेशी ग्राहकों से आर्डर लिये। २०१३ से २०१५ तक आप आल इंडिया प्रोमोशन कॉन्सिल के चैयरमेन रहे । अभी भी ७१ वर्ष की उम्र में आप सक्रिय रूप से कॉन्सिल से जुड़े हुए है ।

श्री कैलाश चौधरी, कृषि राज्य मंत्री, भारत सरकार

श्रीमती स्मृति इरानी (कपडा मंत्री) से सम्मानपत्र से सम्मानित

श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, जल मंत्री-भारत सरकार

श्री ओम बीरलाजी के साथ

माहेश्वरी समाज का गौरव

श्री ओम बिरला (लोकसभा स्पीकर)

जीवनी :

श्री ओम बिरला का जन्म 23 नवंबर 1962 को हुआ था। वह भारतीय जनता पार्टी से सक्रिय राजनेता और राजस्थान राज्य के कोटा-बुंदी निर्वाचन क्षेत्र से 16 वीं लोकसभा में संसद सदस्य रहे। वे कोटा साउथ से तीन बार राजस्थान विधान सभा के सदस्य थे। वे विभिन्न माध्यमों के द्वारा सामाजिक सेवा, राष्ट्र सेवा, गरीब, वृद्ध, विकलांग और असहाय महिलाओं की सहायता करने में रुचि रखते हैं। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से विकलांग, कैंसर रोगियों और थैलेसेमिया रोगियों की मदद की हैं। विकलांगों को मुफ्त साइकिलें, व्हीलचेयर और कान की मशीन प्रदान की गई। बढ़ते प्रदूषण की जांच और हरियाली में कमी के लिए कोटा में लगभग एक लाख पेड़ लगाने के लिए उन्होंने एक प्रमुख "ग्रीन कोटा वन अभियान" लॉन्च किया। नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की एक प्रमुख योजना तैयार करके ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं को बढ़ावा देने के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने राजस्थान के बारा जिला में सहिया आदिवासी इलाके में कुपोषण और अर्ध-बेरोजगारी को हटाने के लिए मिशन का नेतृत्व किया।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ओम बिरला को 17 वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया है। इस लेख में हम ओम बिरला का जीवन परिचय दे रहे हैं। साथ ही साथ उनकी प्रमुख उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दे रहे हैं।

जन्मस्थान, माता-पिता, शिक्षा

उनके पिता का नाम श्रीकृष्ण बिरला और माता का नाम शकुंतला देवी है। ये मारवाडी माहेश्वरी परिवार से आते हैं। इन्होंने गवर्नमेंट कॉमर्स कॉलेज कोटा और फिर महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी अजमेर से कॉमर्स की पढाई की है।

ओम बिरला का राजनीतिक सफर

लोकसभा अध्यक्ष पद तक पहुंचने से पहले भारतीय जनता पार्टी में उनकी प्रगति का सफर इस प्रकार रहा है।

1987 से 1991 तक वे भारतीय जनता युवा मोर्चा के कोटा जिला उपाध्यक्ष रहे।

1991 से 1997 तक राजस्थान भारतीय जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष रहे।

1997 से 2003 तक वे भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे।

2003 में कोटा दक्षिण से पहली बार विधायक चुने गए।

2008 में कोटा दक्षिण से दूसरी बार विधायक चुने गए।

2013 में कोटा दक्षिण से तीसरी बार विधायक चुने गए।

2014 में पहली बार, कोटा-बूंदी सीट से सांसद चुने गए।

2019 में दूसरी बार फिर कोटा-बूंदी सीट से सांसद चुने गए।

19 जून 2019 को 17 वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए।

वेसे तो आपकी उपलब्धियों कीं लिस्ट बहुत बड़ी हैं मगर हमने कुछ विशेष उपलब्धियाँ को संक्षेप में उल्लेख किया हैं।

उपलब्धियाँ :

1. वर्ष 2004 से 2008 तक राजस्थान सरकार में संसदीय सचिव रहते हुए गरीब, असहाय, गम्भीर रोगियों इत्यादि को राज्य सरकार से 50 लाख रू. के लगभग आर्थिक सहायता दिलवाई।
2. 15-16 अगस्त 2004 को कोटा नगर में आई भयंकर बाढ् के दौरान दिन रात बाढ़ पीड़ितों के बीच में रहकर राहत दल का नेतृत्व करते हुए पीड़ितों को बचाने, उन्हें आवासीय, चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने में मदद की।
3. विभिन्न स्वयं सेवी, सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से कैंसर रोगियों व थैलीसीमियां पीड़ितों की मदद की। वहीं द्विव्यांगजनों को निःशुल्क ट्राई साईकिलें, मोट्राईज सायकल (बैटरी चलित) व्हील चेयर एवं श्रवण यन्त्र सहित आवश्यक सहयोगी उपकरण उपलब्ध करवाए।
4. बढ़ते प्रदूषण एवं घटती हरियाली को रोकने हेतु कोटा शहर में लगभग एक लाख पेड़ लगाने के लिए वृहद् "ग्रीन कोटा अभियान" चलाया। अभियान के तहत विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संस्थाओं एवं संगठनों के माध्यम से पार्कों/सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण करने के साथ ही कोटा शहर के आवासीय क्षेत्रों में घर-घर जाकर निःशुल्क पौधा वितरण कर पौधारोपण करने हेतु लोगों को प्रेरित किया। वहीं धार्मिक महत्व वाले तुलसी का पौधा भी घर-घर वितरण किया गया।

सौजन्य : श्री लेखराज महेश्वरी, जयपुर

श्रद्धासुमन

तारीख	नाम	गांव	तारीख	नाम	गांव
02-01-2019	श्रीमती मणिबेन पीताम्बरदास मथराणी	विजापुर	30-03-2019	श्रीमती पार्वतीदेवी वासुदेव मालपानी	अहमदाबाद
02-01-2019	श्रीमती विनीता प्रवीणकुमार शारदा	भुजोडी	01-04-2019	श्री अर्जनभाई धरमदास कचोरिया	पालनपुर
04-01-2019	श्रीमती फुलीबेन चत्रोमल मल्हर	अहमदाबाद	01-04-2019	श्री किसनलाल बिहारीलालजी गीगल	सांचोर
05-01-2019	श्री गोरधनदास अमोलखदास लालवानी	सांचोर	02-04-2019	श्री मोहनलाल स्वरुपचन्दजी भूतडा	नोहरा
10-01-2019	श्री भरतकुमार पूनमचंद	सांचोर	07-04-2019	गायत्री पुत्री श्री पप्पू वासुदेवजी शारदा	सांचोर
13-01-2019	श्रीमती रेवाबेन राणोमल चांडक	जिलोड	10-04-2019	श्री नन्दलाल मोतीरामजी कडवा	भीलडी
16-01-2019	श्रीमती चन्द्राबेन जयरामदास बचानी	अहमदाबाद	16-04-2019	श्री हेमराज लक्ष्मणदासजी कचोलिया	गांधीनगर
25-01-2019	श्रीमती मधुबेन अमोलखदास राठी	अहमदाबाद	19-04-2019	श्री प्रकाश सतरामदासजी केला	चेल्हार
30-01-2019	श्रीमती कमलादेवी उत्तमचंद केला	अहमदाबाद	21-04-2019	श्रीमती मघीदेवी महादेवमलजी राठी	सूरत
30-01-2019	श्रीमती राधादेवी शंकरलाल शारदा	भांडु	29-04-2019	श्रीमती नान्जीदेवी मोतीरामजी चंदिरा	बोरसद
04-02-2019	श्री टीकमदास सज्जनमल कडवा	चोह्टन	12-05-2019	श्रीमती गोदावरीदेवी खजुमल राठी	वडगाम
06-02-2019	श्रीमती लताबेन छगनलाल केला	मोरबी	17-05-2019	श्री देवकुमार श्यामदास भूतडा	इटोला
06-02-2019	श्रीमती शांतिदेवी मदनलाल भूतडा	जैसलमेर	26-05-2019	श्री श्रवणकुमार अचलानंद राठी	कडी
07-02-2019	श्रीमती जानकीदेवी अम्बालाल राठी	धानेरा	28-05-2019	श्रीमती उर्मीलादेवी वासुदेवजी	सोजित्रा
08-02-2019	श्रीमती ताराबेन घनश्यामभाई केला	मोरबी	29-05-2019	श्री उत्तमचंद मूलचंदजी शारदा	तलोद
09-02-2019	श्रीमती पप्पीबेन जयकिशन राठी	अहमदाबाद	31-05-2019	श्री टीकमभाई अखारामजी राठी	डीसा
11-02-2019	श्री अरविंदकुमार मोतीलाल बठड	पालनपुर	01-06-2019	श्री विशनदास आसनदास भूतडा	खुहडी
16-02-2019	श्री रुखमणीदेवी भोजराज लधड	रानीवाडा	01-06-2019	श्रीमती नख्तीदेवी लाधुरामजी कसुम्बीया	गावडी
16-02-2019	श्रीमती राधादेवी दामोदरदास गीगल	बागरा	04-06-2019	श्री मोतीलाल पूनमचंद शारदा	आहोर
16-02-2019	श्री लजपत मेघराज चांडक	बाजवा	06-06-2019	श्री कैलाशकुमार किशनलाल सांझीरा	बाडमेर
18-02-2019	श्रीमती कमलादेवी किशनलाल कसुम्बिया	डीसा	06-06-2019	श्रीमती दुर्गादेवी नंदलालजी भड्डड	अमीरगढ
20-02-2019	श्री तुलजाराम केवलराम लधड	चोहटन	09-06-2019	श्री खेताराम सारंगमलजी केला	सायला
21-02-2019	श्रीमती भगवतीदेवी नन्दलाल भूतडा	आणंद	13-06-2019	श्री पीताम्बरदास मथुरादास कडवा	कडी
21-02-2019	श्रीमती कमलादेवी भोजराज राठी	चोहटन	17-06-2019	श्री केशवलाल खेताराम लोहिया	साणंद
24-02-2019	श्रीमती नान्जीदेवी चुनीलाल अखाणी	डेसर	19-06-2019	श्री महेशकुमार रुपचंदजी केला	सांचोर
25-02-2019	श्री जुगलकिशोर भाणजीलाल मल्हर	हिम्मतनगर	20-06-2019	श्रीमती निर्मलाबेन जेठानंदजी केला	गांधीधाम
03-03-2019	श्री अर्जुनलाल लाधूराम कचोलिया	बनेजरा	21-06-2019	श्री चमनलाल चत्रोमलजी राठी	हैदराबाद
05-03-2019	श्री फरसराम महादेवमल राठी	संगरियामंडी	21-06-2019	श्री उत्तमचन्द केवलरामजी राठी	बडोदा
07-03-2019	श्रीमती रामीदेवी भूपतराम भूतडा	जैसलमेर	29-06-2019	श्री जवाहरलाल हीरालालजी मथरानी	डांडेली
08-03-2019	श्री मुरलीधर नत्थुमल राठी	धानेरा	05-07-2019	श्री पीताम्बरदास मलजीराम राठी	रानीवाडा
08-03-2019	श्रीमती निर्मलाबेन हरीशजी बाहेती	सुरत	07-07-2019	श्रीमती बबरीदेवी लक्ष्मणदास लधड	कडीं
09-03-2019	श्रीमती कमलादेवी गौतमदास चौधरी	तलोद	14-07-2019	श्री प्रभुलाल प्रागचंदजी भूतडा	थराद
11-03-2019	श्री रवि मदनलाल पनपालिया	बाडमेर	27-07-2019	श्रीमती भगवतीदेवी मेघराजजी बड्डड	पालनपुर
12-03-2019	श्रीमती निर्मला कांतीलाल केला	जयपुर	28-07-2019	श्री प्रभुलाल मुरारदासजी केल्ला (हड्डु)	अहमदाबाद
20-03-2019	श्रीमती गवरीदेवी राणोमल मुहता	गढरा रोड	31-07-2019	श्रीमती मीनादेवी नरेन्द्र मथरानी	अहमदाबाद
24-03-2019	श्री शंकरलाल मथुरादास राठी	पालनपुर	03-08-2019	श्री कल्पेश अशोककुमार मथरानी	चोहटन
26-03-2019	श्री दुर्गाशंकर मूलचंद शारदा	शाहपुर	03-08-2019	श्री सतरामदास खेताराम मथरानी	बाडमेर
			05-08-2019	नीणोमल कचोरीया	मोरबी

माहिती स्त्रोत : लजपतराय मुरलीधर राठी (मणीनगर, अहमदाबाद)

Health : Doctor's Diary
वर्तमान समस्या - अनिंद्रा

Let's Beat Anemia
Anemia (Iron Deficiency)
Anemia is one of the most common diseases in the world and about 50% population of India is anemic. It is 70% among children and pregnant women. Anemia is a medical condition where red blood cell count or Hemoglobin level is less than normal. There could be a variety of reasons why your hemoglobin level is low.

Hemoglobin
Hemoglobin is an iron-based protein in red cells that carries oxygen to body parts. This oxygen keeps you stay active and do lot of work. Without which your body can not function properly or efficiently. Hemoglobin also gives the much noticeable red color to the blood. Your Hemoglobin level should be minimum 12.5g/dL in men and 12g/dL in women.

Reasons for Anemia
Decrease in production of red blood cells or hemoglobin or loss of blood could lead to Anemia. Hook worm infestation and malaria also causes Anemia. Low iron levels in the body generally lead to 'Iron Deficiency Anemia'. Blood loss during menstruation is common among women causing Anemia. Apart, vitamin B12 deficiency could also cause anemia in people who are unable to absorb vitamin B12 from their intestines. Inadequate absorption, under consumption of green leafy vegetables that are rich in iron, long term alcohol consumption can trigger Anemia. A wide variety of bone marrow diseases can also cause Anemia.

Symptoms of Anemia
General weakness, paleness of skin, swelling of body, chest pain, fatigue, brittle nails and in most severe cases shortness of breath, fainting and cardiac arrhythmias are known symptoms of anemia.

Beat Anemia
Iron is available plenty in meat, poultry, and egg yolk. To a lesser extent you can find in green leafy vegetables, dried fruits, beans, peas, whole grains and enriched cereals and breads. Replacing normal bread with brown bread can help. Similarly use whole grain *atta* or fortified *atta* to *maida* is another good alternative. Bank on Spinach and other green leafy vegetables. Add a spoon of lemon juice that contains Vitamin C to help the body absorb iron. Foods rich in vitamin C are orange juice, grapefruit juice, green peppers, broccoli, melon, strawberries and cabbage. Make it part of your daily diet.

You know, some foods block the absorption of iron? These include coffee, tea, and colas. Try to avoid these things when you're having iron rich foods. Caffeine can diminish the absorption of dietary iron.

Iron Pills & Vitamins
Sometimes dietary iron is not good enough. The other way to get needed iron is to take vitamins with added iron or iron pills. These are available without prescription at your chemist. You should take iron pills on empty stomach and eat something-say after 15 minutes. The most common side effect of taking iron pills is stomach upset. It may take few weeks to regaining the additional iron you need. However, before taking pills or vitamins see your doctor.

Please take care and maintain good Hemoglobin levels. Beat Anemia. It is in your hands.

Anemia is a silent killer. Do not ignore it.

Dr. Kishore Maheshwari
(Prathama Blood Bank)

"पहला सुख निरोगी काया"

"पहला सुख निरोगी काया" यह बात सर्वविदित है कि स्वास्थ्य ही धन है अच्छा स्वास्थ्य हमें शारीरिक ही नहीं परंतु मानसिक रुप से भी स्वस्थ रखता है व सन्तुलित और स्वस्थ जीवन जीने में हमारी मदद करता है ।

"बचपन" चुंकि हमारे पूरे जीवन की आधारशीला होती है और अच्छे स्वास्थ की शुरूआत यहीं से हो जाती है और एक बच्चे का शारीरीक, मानसिक व भावनात्मक विकास बहुत कुछ उसके स्वास्थ्य पर निर्भर करता है ।

बच्चे के स्वास्थ्य की नींव माता के गर्भ में ही रखी जाती है । अच्छे स्वास्थ्य के लिए माता को गर्भावस्था के दौरान संतुलीत एवं पोषक आहार लेना चाहिए । साफ-सफाइ का पूरा ध्यान रखना चाहिए । नियमित रुप से डोक्टरी जाँच तथा सोनोग्राफी करानी चाहिए । जिसमें फोलिक एसिड, आयर्न एवं केल्शियम प्रमुख है, ऐसी दवाईयों का सेवन करना चाहिए जिससे बच्चे को जन्मजात विकृति से बचाया जा सके । टिटनेस के इंजेक्शन समयसर लगवाना चाहिए, प्रसव वहीं करवाना चाहिए जहाँ माता तथा बच्चे क लिए सम्पूर्ण सुविधाए उपलब्ध हो ।

नवजात शिशु की देखभाल बहुत जरुरी है, उसे अच्छे से लपेटकर गर्म रखना चाहिए । नाभि पर कुछ भी लगाना नही चाहिए । बच्चे के जन्म के बाद जितना जल्दी हो माता का दूध पिलाना चाहिए । जन्म से छः माह तक बच्चे के लिए माता का दूध ही सर्वोत्तम आहार है । अगर माता का दूध किसी कारण से कम आता है तो बच्चे को फार्मूला मिल्क (डिब्बा बन्द दूध) देना चाहिए जो कि गाय, भैंस या बकरी व डेरी के दूध से अच्छा होता है । बोतल से बच्चे को दूध नही पिलाना चाहिए इससे बच्चे को भविष्यमें संक्रमण, एलर्जी या केंसर होने की सम्भावनाए होती है । छः माह की उम्र के बाद बच्चे को डिब्बा बंद शिशु आहार, पतली खीचडी, दलिया, दाल का पानी सूजी तथा ताजें फलों का रस शुरु कर सकते हैं ।

टीकाकरण बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है । टीके बच्चों को कई जानलेवा रोगो से बचाते है व रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास करते है । सरकार द्वारा आवश्यक टीके मुफ्त में उपलब्ध कराये जाते है । जैसे कि डी.पी.टी, पोलियो, रोटा वायरस, हेपेटाईटिस बी, दिमागी बुखार इसके अलावा कुछ टीके जैसे निमोनिया, टाईफोईड, सादा पीलिया, चिकन पोक्स, एनिकफेलाईटिस बाजार में उपलब्ध होते हैं वह भी लगवाने चाहिए । आजकल बच्चे जंकफूड बहुत खाते है जो उन्हे बचपन से ही कई बीमारीयों की तरफ अग्रसर करते है जैसे मोटापा, पेट की तकलीफ, डायाबीटीज । इसलिए बच्चों को एसा खाना देना चाहिए जिसमें आवश्यक विटामीन, प्रोटीन एवं मिनरल्स हो ।

बच्चों के दांतो की देखभाल भी बहुत जरुरी है । नियमित ब्रश करवाना चाहिए व दांतो में केवीटी न हो उसका ध्यान रखना चाहिए । आजकल काफी कम उम्र में बच्चों को चश्मा आ जाता है उसके कुछ कारणो में से अत्याधिक टी.वी, मोबाईल व इंटरनेट का उपयोग, पर्याप्त रोशनी में बच्चे का न पढना व भोजन में पोषक तत्त्वों की कमी है । अतः हमें इन बातो का ध्यान रखना चाहिए ।

इन दिनो बच्चों का बाहर जाकर खेलना - कुदना लगभग खत्म ही हो गया है । वह सारा दिन गेजेट्स में ही लगे रहते है । एक अच्छे शारीरीक, मानसिक एवम भावनात्मक स्वास्थ के लिए बाहर जाकर दोस्तो के साथ खेलना भी बहुत जरुरी है ।

टीनेज बच्चो में हार्मोन्स के साथ मानसिक विचार भी बहुत तेजी से बढते है । इस उम्र में बच्चो के साथ बैठकर समय व्यतीत करना चाहिए व उनकी बाते सुननी चाहिए तथा उन्हें अच्छे बुरे की समझ देनी चाहिए । अपने निर्णय बच्चों पर थोपने नही चाहिए । ऐसा करने से बच्चे के आत्मविश्वास में बढोतरी होगी ।

- डॉ. दिनेश केला (पिडीयाट्रीशीयन)

शाहीबाग, अहमदाबाद

Just Travel

आओ नये जमाने के साथ चले

आज कल हम सभी का घुमने जाने का, यात्रा स्थलो पे जाने का बहोत होता है । हम सभी यह यात्राए अपने परिवार के साथ, अपने सामाजिक मंडल के साथ, अपने मित्र समूह के साथ या सोलो ट्रवेल करते है । कई बार हमारी यात्रा पूर्व नियोजीत होती है या कई बार एकाएक निश्चित (on the spot) होती है ।

आज कल यात्रा स्थल पर ठहरने के लिए पारंपरिक होटल, धर्मशालाओं के अलावा ओर कई ओप्शन मौजुद है । हम हमारी पुरी यात्रा का आयोजन और बुकींग ओनलाईन कर सकते है । रहने के लिए नई व्यवस्थाओं में जैसे Airbnb, FlipKey, turnKey, Vrbo, HomeStay, Youth Hostel, Backpacker group ओर भी कई सेवायें है । भारत के अलावा विश्व के कई देशों में भी उपलब्ध है । यहाँ यात्रा इकोनोमी ओर सुरक्षित होती है । ट्रवेल के लिये ओनलाईन बुकींग से Zoom car, Biker group और Hitch Hiking भी कर सकते है । इसके अलावा कई मोबाईल एप भी है जो यात्रा की टीकीट से लेके ओर कई यात्रा बाबत की सेवाएँ भी उन पर उपलब्ध है । अगर हमको ओनलाईन सेवाओं की पूर्ण जानकारी हो तो यात्रा रोमांच सभर ओर करकसर से पूर्ण कर सकते है और यात्रा का आनंद ले सकते है ।

- टीम पत्रिका

सादर आमंत्रण - दादा लाधुरामजी का डेरा (धानेरा, उ.गु.)

शिव शक्ति महारूद्र यज्ञ

आमंत्रण

गणेश चतुर्थी उत्सव

शिव शक्ति महारूद्र यज्ञ

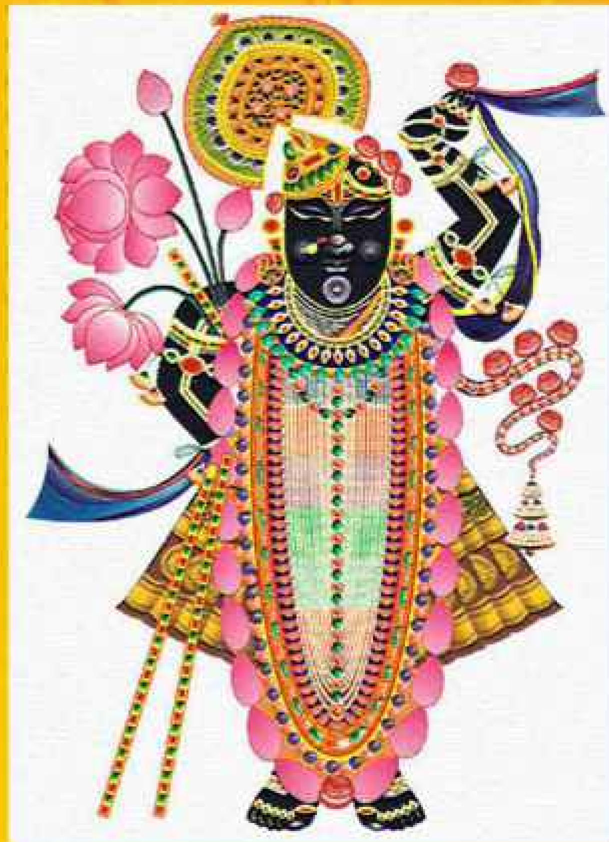

With Best Compliments from

SIGMA

TEXTILE AND GARMENTS PVT. LTD.

HIGHCLASS HOSIERY GARMENT MANUFACTURERS

Cadila®

The Comfort Wear

Pitambardas B Rathi
Tejprakash B Rathi
Kishorekumar P Rathi
Himalay T Rathi

Shyamsundar P Rathi
Harishkumar P Rathi
Hardik S Rathi
Dhananjay S Rathi

MAFI GROUP OF INDUSTRIES

REGISTERED HEAD OFFICE :

H21 TO 24, RIICO, INDUSTRIAL AREA, BARMER (RAJ.)

SHRAVANKUMAR DUNGROMAL MAHESHWARI (MD, FOUNDER)
+91 9414106481, +91 9413307481

ANILKUMAR : +91 94141 06883
DEEPAKKUMAR : +91 98931 26305
VIKARKUMAR : +91 94141 06305

SARITA S RATHI
SANTOSH J MAHESHWARI

PLANT LOCATIONS

RAJASTHAN

MAHESH AGRO FOOD INDUSTRIES (BARMER)
PROTINEX ADVANCE FEED (BARMER)
DUNGROMAL RAMCHAND (KRISHI MANDI, BARMER)
MAHESHWARI AUTOMOBILE INDUSTRIAL PARK (BARMER)

GUJARAT

INDIAN HYDROCOLLOIDS (GANDHIDHAM)
TASTELA SPICES PVT. LTD. (GANDHIDHAM)
JD GUM AND CHEMICAL (DHOLKA)
RUDRA AGRO INTERNATIONAL (AHMEDABAD)
TANMAY VEGETABLE GUM PVT. LTD. (VADODARA)

CHHATISHGARH

BHARAT AGRO INDUSTRIES (RAIPUR)
JD GUM AND CHEMICAL (RAIPUR)

OVERSEAS OFFICE

RAJASTHAN FEED TR. (DUBAI, SHARJAH)

www.maheshagro.com